वर्ष 24, अंक 184, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज   सोमवार 12 जनवरी 2025   विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

पीएम ने सोमनाथ मंदिर में की पूजा

पुष्प अर्पित कर बजाया डमरू,

शौर्य यात्रा में शामिल हुए हजारों शिव भक्त

गुजरात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (11 जनवरी 2026) को गुजरात के गिर सोमनाथ ज़िले में स्थित पावन सोमनाथ मंदिर में आयोजित शौर्य यात्रा में शामिल हुए. यह यात्रा उन वीर योद्धाओं के सम्मान में निकाली गई, जिन्होंने सदियों पहले सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे. सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित इस शौर्य यात्रा में 108 घोड़ों की प्रतीकात्मक शोभायात्रा निकाली गई, जो भारतीय परंपरा में वीरता, त्याग और बलिदान का प्रतीक मानी जाती है. यह दृश्य मानो इतिहास के पन्नों को वर्तमान में जीवंत कर रहा था.

प्रधानमंत्री मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ एक विशेष रूप से सजाए गए गाड़ी पर सवार होकर एक किलोमीटर लंबे मार्ग से गुजरे. रास्ते के दोनों ओर हजारों श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक एकत्रित थे, जो पुष्पवर्षा और अभिवादन के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत कर रहे थे.

सोमनाथ में उमड़ा जनसमूह

सोमनाथ मंदिर परिसर में शनिवार (10 जनवरी 2026) की रात रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिली. ठंड के बावजूद श्रद्धालु आधी रात के बाद तक मंदिर परिसर में डटे रहे. प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद जनसमूह अपने चरम पर पहुंच गया. देश के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालु– बुजुर्ग, युवा, महिलाएं और बच्चे. इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने. स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दराज से आए यात्रियों ने भी इस पर्व को विशेष बना दिया. प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार शाम ओंकार मंत्र का सामूहिक जाप किया, सोमनाथ बाबा के दर्शन किए और इसके बाद आयोजित भव्य ड्रोन शो को देखा. लगभग 3,000 ड्रोन आकाश में एक साथ उड़ते हुए दिव्य आकृतियां बना रहे थे, जो जमीन पर मौजूद विशाल जनसमूह के उत्साह के अनुरूप था.

प्रकाश, परंपरा और तकनीक का अद्भुत संगम

करीब 15 मिनट तक चले ड्रोन शो ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. ड्रोन से भगवान शिव, शिवलिंग, सोमनाथ मंदिर का त्रि-आयामी (3ऊ) स्वरूप, और मंदिर के इतिहास में आए विध्वंस और पुनर्निर्माण के दृश्य प्रदर्शित किए गए. इसके बाद हुई आतिशबाजी ने समुद्र तट के आकाश को रोशनी से भर दिया. यह केवल एक दृश्यात्मक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि सोमनाथ की उस कथा का प्रतीक था, जो टूटने के बाद भी हर बार और अधिक दृढ़ होकर खड़ी हुई. ड्रोन संरचनाओं में मंदिर पर हुए आक्रमणों और उसके बाद हुए पुनरुत्थान को दशार्या गया, जो इस पर्व के मूल भाव को रेखांकित करता है.

आस्था जो दूरियों को मिटा दे

मुंबई से आई प्रीति कारेलिया, जो 24 अन्य महिलाओं के साथ एक महिला-भजन मंडली का हिस्सा थीं. उन्होंने अपनी भावना साझा करते हुए कहा, 'हम आज सोमनाथ मंदिर और अपने प्रधानमंत्री को देखने आए हैं. यह आयोजन मंदिर की परंपराओं और उसके अद्भुत धैर्य का उत्सव है. सजावट, आतिशबाजी और ड्रोन शो ने उस दिव्यता को और भी सशक्त बना दिया, जिसने एक ही दिन में इतने लोगों को यहां खींच लिया.' धार्मिक संतों, स्थानीय नेताओं और आम नागरिकों ने भी इस अवसर को ऐतिहासिक बताया. भावनगर से आए भारद्वाज गिरी ने वीर हमीरजी गोहिल जैसे योद्धाओं को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ‍ह्लहमारे हिंदू तीर्थों के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया.ह्व

स्वाभिमान पर्व में सजी पूरी नगरी

सोमनाथ शहर खुद उत्सव का हिस्सा बन गया. शंख सर्कल से वीर हमीरजी गोहिल सर्कल तक की मुख्य सड़क को फूलों, थीम आधारित सजावट और रोशनी से सजाया गया. त्रिशूल, ॐ और डमरू के आकार की रोशनी, फूलों से बने शिवलिंग और जगह-जगह लगे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के पोस्टर पूरे मार्ग को आध्यात्मिक वातावरण से भर रहे थे. शाम के समय कर्नाटक से आए लोकनृत्य कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया.

इतिहास से वर्तमान तक सोमनाथ की पुनर्स्थापना

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, महमूद गजनवी की ओर से सोमनाथ पर आक्रमण के 1,000 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया. स्वतंत्रता के बाद इस मंदिर के पुनर्निर्माण का बीड़ा सरदार वल्लभभाई पटेल ने उठाया था.

1951 में, पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में श्रद्धालुओं के लिए खोला गया. आज भी मंदिर के मुख्य द्वार के सामने स्थापित सरदार पटेल की प्रतिमा उस राष्ट्रीय संकल्प की याद दिलाती है. सोमनाथ मंदिर भारत के 12 ज्योतिलिंगों में से एक है और सदियों से श्रद्धा, संघर्ष और आत्मबल का प्रतीक रहा है।

भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कच्छ और सौराष्ट्र के लिए 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' का उद्घाटन किया। साल 2026 में गुजरात के अपने पहले दौरे पर पीएम मोदी ने कहा कि उनकी यह यात्रा 'विकास और विरासत' के मंत्र के साथ शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि सोमनाथ मंदिर में पूजा करने के बाद राजकोट में विकास कार्यों को आगे बढ़ाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

वाइब्रेंट गुजरात

पीएम मोदी ने इस सम्मेलन की सफलता पर चर्चा करते हुए कहा कि वाइब्रेंट गुजरात केवल एक मीटिंग नहीं है, बल्कि यह 21वीं सदी के भारत की बदलती तस्वीर है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दशकों में इसके 10 संस्करण हो चुके हैं, जिसने निवेश के मामले में दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है। पीएम ने कहा कि अब इस सम्मेलन को क्षेत्रीय स्तर पर लाया गया है ताकि गुजरात के उन इलाकों की ताकत को दुनिया को दिखाया जा सके, जहां विकास की अभी बहुत संभावनाएं बची हैं।

भारत की बढ़ती ताकत

संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने देश की आर्थिक मजबूती के कई उदाहरण दिए। उन्होंने बताया कि भारत बहुत जल्द दुनिया की

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। पीएम ने गर्व से बताया कि भारत आज दूध उत्पादन और जेनेरिक दवाओं में नंबर वन है। साथ ही, दुनिया की सबसे ज्यादा वैक्सीन भी भारत में ही बनती हैं। देश में महंगाई नियंत्रण में है और खेती के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं।

व्यापार प्रदर्शनी और 'रिवर्स बायर-सेलर' मीटिंग

सम्मेलन से पहले पीएम मोदी ने राजकोट की मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में एक विशाल व्यापार प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसमें अमेरिका और यूरोप समेत 16 देशों के 110 से ज्यादा खरीदार यहां पहुंचे हैं। करीब 1,500 समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

'बिहार में लोकतंत्र की हार धनतंत्र की हुई जीत', नीतीश सरकार पर बरसे तेजस्वी यादव

बिहार

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव में हुई हार को लेकर कड़ा प्रहार किया है. इस दौरान उन्होंने परिणामों को लेकर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि बिहार में धनतंत्र की जीत हुई है. पिछले चुनाव में लोक की हार हुई और तंत्र की जीत हुई है. चुनाव में साजिश हुई. बिहार की जो सरकार बनी है वह छल कपट से बनी है. उन्होंने आगे कहा कि अब देखते 2 करोड़ लोगों को रोजगार कब मिलेगा.

तेजस्वी यादव ने आगे कहा जनतंत्र को इन लोगों ने धनतंत्र और मशीन तंत्र बना दिया है. उन्होंने आगे कहा कि यहां सब लोग जानते हैं कि क्या षड़यंत्र रचा गया. छल कपट से यह लोग चुनाव जीते हैं, लेकिन नई सरकार कैसे बनी है यह पूरा देश और बिहार की जनता जानती है.

रोजगार के वादे को लेकर क्या बोले तेजस्वी यादव?

उन्होंने कहा कि हम सकारात्मक राजनीति करते हैं. इसलिए 100 दिन तक सरकार के निर्णय पर हम कुछ नहीं बोलेंगे. उन्होंने आगे कहा कि देखते हैं हमारी गरीब माताओं-बहनों को 2-2 लाख रुपये कब मिलते हैं. 1 करोड़ युवाओं को रोजगार कब मिलता है. तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि हर जिले में 4-5 थाने लगाने की बात कही गई है. अब देखते हैं कि यह लगते हैं या नहीं. उन्होंने आगे कहा कि जो घोषणा पत्र सरकार ने जारी किया है उसे पूरा करने की जिम्मेदारी उनकी है. उन्होंने आगे किसी भी मुद्दे पर 100 दिन चुप रहने के लिए कहा है. 100 दिन तक किसी भी बात पर हम नहीं बोलेंगे.

परिवार पर आरोप तय होने के सवाल पर साधी चुप्पी

इस दौरान तेजस्वी यादव ने 'लैंड फॉर जॉब स्कैम' केस में चुप्पी साधी।

महायुति का 'वचननामा' जारी, महिलाओं को 5 लाख का लोन

मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन 'महायुति' ने रविवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। गठबंधन ने मुंबईकरों को लुभाने के लिए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया है।

घोषणापत्र में क्या है?

महायुति ने मुंबई के विकास और सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण वादे किए हैं। उनके घोषणापत्र के अनुसार, महिलाओं को अपना

काम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त लोन दिया जाएगा। शहर को पूरी तरह से झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाने और बेहतर आवास देने का लक्ष्य रखा गया है। मुंबई में रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का इस्तेमाल किया जाएगा।

मराठी मानुष की वापसी

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि जो मराठी लोग मुंबई छोड़कर बाहर चले गए हैं, उन्हें वापस लाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी।

सीएम ने विरोधियों पर निशाना साधा

घोषणापत्र लॉन्च के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि महायुति केवल राजनीति नहीं, बल्कि हिंदुत्व और विकास को प्राथमिकता देती है। उन्होंने 'जन्म प्रमाण पत्र घोटाले' का जिक्र करते हुए कहा कि अवैध रूप से रह रहे लोगों के लिए 'डिटेंशन सेंटर' बनाने की जमीन मिल गई है ।

एलडीएफ और यूडीएफ का खेल अब खत्म होगा- शाह

केरल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल में स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का लक्ष्य साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि केरल में बीजेपी का सफर आसान नहीं था, लेकिन समर्पित कार्यकताओं के दम पर पार्टी ने आज एक मजबूत पहचान बनाई है। शाह ने स्पष्ट किया कि बीजेपी का अंतिम लक्ष्य केवल जीत नहीं, बल्कि केरल में अपनी सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री

लाना है। शाह ने केरल की मौजूदा राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य इस वक्त एलडीएफ और यूडीएफ की 'मिलीभगत' के कारण ठहराव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने बारी-बारी से सत्ता में आकर भ्रष्टाचार करने का गुप्त समझौता कर लिया है।

राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश का मामला,

कश्मीरी शख्स को उसके परिवार को सौंपा

अयोध्या

अयोध्या स्थित राम मंदिर परिसर में कथित रूप से नमाज पढ़ने की कोशिश करने पर हिरासत में लिए

गए कश्मीर निवासी एक व्यक्ति के 'मानसिक रूप से बीमार' होने का पता चलने पर पुलिस ने उसे उसके परिजन को सौंप दिया है. पुलिस अधीक्षक (शहर) चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति अहमद शेख के परिजन ने दावा किया था कि वह मानसिक रूप से बीमार है.

रढ ने बताया कि उन्होंने सुबूत के तौर पर उसकी मेडिकल रिपोर्ट भी दिखाई थीं. इसके बाद रविवार (11 जनवरी 2026) को शेख को उसके परिजन के हवाले कर दिया गया. उन्होंने बताया कि शेख जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले का रहने वाला है.

शेख के परिजनों ने मेडिकल दस्तावेज भी दिखाये- SP

कश्मीरी शख्स शेख को शुक्रवार को तब हिरासत में लिया गया जब सुरक्षाकर्मियों ने उसे मंदिर परिसर के अंदर कथित तौर पर नमाज पढ़ने की तैयारी करते देखा. शेख के परिवार के लोग शनिवार (10 जनवरी) को कश्मीर से अयोध्या पहुंचे थे और पुलिस को बताया कि वह मानसिक बीमारी से पीड़ित है. उन्होंने अपने दावे के समर्थन में मेडिकल दस्तावेज भी दिखाये।

'हिजाब वाली प्रधानमंत्री की बात सपना'

ओवैसी के बयान पर रामभद्राचार्य बोले साड़ी वाली पीएम बनेगी

जयपुर

प्रसिद्ध कथावाचक जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अक्टक्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के हिजाब पहनने वाली बेटी के देश के प्रधानमंत्री बनने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने इसे दिवास्वप्न बताया. उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में कोई महिला प्रधानमंत्री बनेगी तो वो साड़ी पहनने वाली महिला होगी. रामभद्राचार्य ने ओवैसी के इस तरह के बयान देने की आलोचना की. वे जयपुर में पत्रकारों के सवालों के जबाव दे रहे थे, जहाँ उन्होंने यह बयान दिया.

AIMIM प्रमुख ओवैसी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए रामभद्राचार्य ने कहा कि अब्दुल कलाम राष्ट्रपति बने, हामिद अंसारी उपराष्ट्रपति बने और उन्हें क्या चाहिए ? इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए.

रामभद्राचार्य का बयान

जयपुर में असुददीन ओवैसी के बयान पर प्रतिक्रिया देते कथावाचक रामभद्राचार्य ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है. अब्दुल कलाम राष्ट्रपति बने. हामिद अंसारी उपराष्ट्रपति बने. उन्हें और क्या चाहिए?...वे दिवास्वप्न देख रहे हैं. अगर भारत में कोई महिला प्रधानमंत्री बनती है, तो वह साड़ी पहनेगी." रामभद्राचार्य अक्सर राजनीतिक मामलों में टिपण्णी करते हैं जो कई बार विवादित भी हो जाती हैं. रामभद्राचार्य इन दिनों राजस्थान के जयपुर प्रवास पर हैं.

क्या कहा था असुददीन ओवैसी ने?

महाराष्ट्र के सोलापुर में एक रैली में एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, "पाकिस्तान के संविधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि केवल एक ही धर्म का व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन सकता है।

छात्र-छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी में दिखाया हुनर, आधुनिक मॉडलों ने किया आकर्षित

विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों में विकसित हुई नवाचार और अनुसंधान की भावना

अखंड भारत संदेश

कौंधियारा में विज्ञान प्रदर्शनी के दौरान प्रतिभागी छात्रों को सम्मानित करते अतिथि।

प्रयागराज। बच्चों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और प्रयोग की भावना विकसित करने के उद्देश्य से श्रीमती इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज, पटेल नगर अकोढ़ा में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए कुल 76 आकर्षक और ज्ञानवर्धक मॉडलों का प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को खासा प्रभावित किया।

प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि इं. अमित शुक्ला, प्रवक्ता राजकीय पॉलिटेक्निक बरगढ़, चित्रकूट ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विज्ञान, पर्यावरण और अभियांत्रिकी से जुड़े विविध विषयों पर आधारित मॉडलों की श्रृंखला सजी रही। विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रोलाइसिस ऑफ वॉटर, माइक्रोस्कोप, ज्वालामुखी, मानव नेत्र, जल शुद्धिकरण प्रणाली, प्रकाश संश्लेषण, सोलर सिस्टम, रक्त परिसंचरण तंत्र, जेसीबी सहित कई आधुनिक एवं उपयोगी प्रोजेक्ट्स को सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए मुख्य अतिथि इं. अमित शुक्ला ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में विज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और तकनीकी संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह हमारी सोच, संस्कृति और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में आईटी, नवाचार और तकनीक की चर्चा हर मंच पर हो रही है, ऐसे में जरूरी है कि विज्ञान को केवल करियर का साधन न मानकर समाज निर्माण का मजबूत आधार बनाया जाए। वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बना सकता है।

विशिष्ट अतिथि एवं विद्यालय की प्रिंसिपल सबा खान ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान केवल एआई विशेषज्ञ या आईटी इंजीनियर तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ज्ञान के आधार पर नए आविष्कारों और समाधान खोजने की प्रक्रिया है। इस तरह की प्रदर्शनी से बच्चों की रचनात्मक क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

प्रदर्शनी में भाग लेने वाले बाल वैज्ञानिकों ने अपने मॉडलों और प्रयोगों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साह और मनोबल बढ़ा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित कुमार पाण्डेय ने अतिथियों, शिक्षकों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर पी.के. त्रिपाठी, संतोष यादव, कृष्णानंद शुक्ल, शिवम वर्मा, सुशील सिंह, राम सुंदर शास्त्री, आर.एस. यादव, अखिलेश शुक्ला, प्रिया कुशवाहा, पूजा मिश्रा, प्राची केसरवानी, आशीष शुक्ला, गणेश शुक्ल, शैलेश पांडेय, बृजेश पटेल, अशोक कुशवाहा, सत्यम कुशवाहा, कृष्ण कुमार द्विवेदी, अभिषेक पाण्डेय, नागेश विंद, आशुतोष कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र उपस्थित रहे।

कार की टक्कर से टावर टेक्नीशियन की मौत

मांडा। मिजार्पुर में एक टावर टेक्नीशियन की कार की टक्कर से मौत हो गई। घटना शुक्रवार शाम को हुई जब वह काम से लौट रहे थे। मृतक की पहचान मांडा क्षेत्र के मानपुर गांव निवासी 30 वर्षीय सुनील कुमार पटेल के रूप में हुई है।

सुनील कुमार पटेल मिजार्पुर में टावर टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार सुबह वह अपने घर से बाइक पर काम के लिए निकले थे। शाम को घर लौटते समय उनके साथ बाइक पर एक साथी भी था।

साथी के अनुसार, मिजार्पुर के बसही बाजार के पास उन्होंने लघुशंका के लिए बाइक रोकी। साथी बाइक से थोड़ी दूर गया ही था कि एक अनियंत्रित अर्टिगा कार आई और बाइक के पास खड़े सुनील को टक्कर मार दी। इस हादसे में सुनील की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर मिजार्पुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शनिवार दोपहर बाद जब सुनील का शव उनके पैतृक गांव पहुंचा, तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया। सुनील अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे और परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनकी पत्नी, दो बेटियां, पिता, भाई और मां का रो-रोकर बुरा हाल था। सुनील अपने व्यवहार के कारण मोहल्ले में काफी लोकप्रिय थे, जिससे उनकी असामयिक मृत्यु से पूरा मोहल्ला दुखी था। देर शाम उनका अंतिम संस्कार स्थानीय महेवा कला गंगा घाट पर किया गया।

कांग्रेस के लोगों ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत उपवास कर प्रतीकात्मक विरोध कराया दर्ज

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत बाबूगंज के भुलई का पूरा में रविवार को एक दिवसीय उपवास कर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया गया। तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान को लेकर कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर शुरू की गई दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार योजना को इस सरकार ने खत्म कर दिया। इस सरकार को महात्मा गांधी से एलर्जी है और गरीबों से भी परेशानी है। यह योजना यूपीए सरकार ने बनाई थी। जिसने लोगों को रोजगार दिया और घर-घर राशन पहुंचाया। इतना बड़ा उदाहरण सामने होने के बावजूद इस योजना को आनन-फानन में बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस संघर्ष को तब तक जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है जब तक कि हम काम, आजीविका और जवाबदेही के उस अधिकार की बहाली हांसिल नहीं कर लेते जिसे भाजपा सरकार ने मनरेगा को ध्वस्त करके छीन लिया है। गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि मनरेगा की योजना में कार्य की मांग के समय को लेकर कोई बंधन नहीं था। मजदूरी की दरों में समय-समय पर वार्षिक वृद्धि होती थी।मजदूर पंचायत और ग्राम सभाओं के माध्यम से कार्य की मांग कर सकते थे। विशेष आमंत्रित सदस्य शरद उपाध्याय मुन्ना ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मनरेगा का नाम बदलना महज नाटक है,असल नीयत गरीब के पेट पर लात मारना है। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय, डा.जगत नारायण सिंह, निशा सिंह, सत्य नारायण पाण्डेय मुन्ना, संतोष सिंह, सददाम हुसैन सिद्दीकी, सूफिया बानो, मंजू मौर्या, राम मनोरथ सरोज, डा.अमर सिंह, ओम प्रकाश पासी, सुनील पाण्डेय, सुभाष चंद्र यादव, प्रदीप पा्डेय सहित आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोरांव तहसील के बेलहट व पसना में चल रहे खनन एवं क्रेशर प्लांट का संचालन ठप, बिना पर्यावरण मंजूरी के धड़ल्ले से हो रहा था खनन

अखंड भारत संदेश ने 8 नवंबर को प्रकाशित किया था समाचार

सिटी आस-पास संदेश

बेलहट पहाड़ी पर पर्यावरण विभाग की मंजूरी बगैर हो रहा खनन, धड़ल्ले से संचालित हो रहे क्रेशर प्लांट

पट्टे की वैधता अवधि शेष, पर्यावरण विभाग की अनापत्ति प्रमाणपत्र की अवधि समाप्त

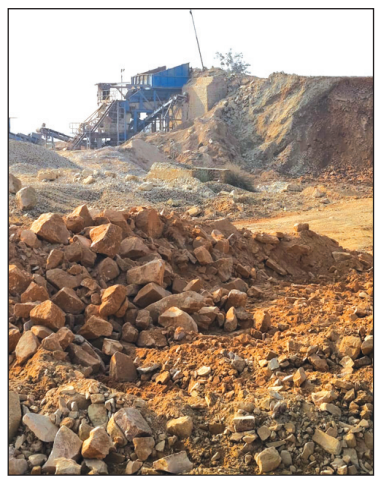

पसना। कोरांव तहसील के बेलहट और पसना गांवों में बिना पर्यावरणीय स्वीकृति के चल रहे अवैध खनन और क्रेशर प्लांट का संचालन बंद हो गया है। अखंड भारत संदेश अखबार में 8 नवंबर को प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए स्थानीय प्रशासन और खनन विभाग के अधिकारियों ने यह कार्रवाई की है। अब स्थापित क्रेशर प्लांट अन्यत्र स्थानांतरित किए जा रहे हैं और खनन कार्य पूरी तरह से रोक दिया गया है।

यह उल्लेखनीय है कि लगभग दो साल से बन एवं पर्यावरण विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र (ठडउ) की समय सीमा समाप्त होने के बावजूद, प्रशासन की कथित मिलीभगत से अवैध खनन और क्रेशर प्लांट का संचालन धड़ल्ले से जारी था। स्थानीय निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता धीरज कुमार मिश्रा ने इस संबंध में जिलाधिकारी से शिकायत भी की थी।

बेलहट स्थित अटल आवासीय विद्यालय के आसपास इन क्रेशर प्लांटों के संचालन से विद्यालय का पठन-पाठन प्रभावित हो रहा था। क्षेत्र की सड़कें भी भारी वाहनों के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं। इसके अलावा, आसपास के निवासियों का जनजीवन धूल, गर्दा और ब्लास्टिंग की तेज आवाज से बुरी तरह प्रभावित हो रहा था।

शिकायत और खबर के प्रभाव से अब क्रेशर प्लांट मालिक अपने प्लांट अन्यत्र स्थानांतरित करने लगे हैं। प्लाटों के हापड़ की जमीन को भी धीरे-धीरे समतल किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है।

अवैध खनन और प्लांट संचालन पर रोक लगने से स्थानीय निवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। बभनपट्टी के क्षेत्र पंचायत सदस्य विवेक मिश्र, बेलहट के अधिवक्ता रणजीत सिंह और कपूरी के पूर्व प्रधान सुरेंद्र यादव सहित अन्य लोगों ने अखण्ड भारत संदेश अखबार का आभार जताया है।

बेलहट के प्रधान प्रतिनिधि संजय सिंह ने बताया कि कपूरी से अटल आवासीय विद्यालय को जोड़ने वाली निमार्णाधीन सड़क अब भारी वाहनों के संचालन से मुक्त रहेगी। इससे सड़क लंबे समय तक सुरक्षित और उपयोग योग्य बनी रहेगी।

माकू के बैनर तले असंगठित कामगारों की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

माण्डा। मिजार्पुर असंगठित कामगार यूनियन (माकू)की बैठक जिले के माण्डा खास स्थित माँ माण्डवी देवी मंदिर परिसर पर संपन्न हुई। यूनियन महामंत्री मंगल तिवारी ने उपस्थित कामगारों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रम संहिता अधिनियम 2025 केंद्र सरकार ने लागू कर दी है जल्द ही प्रदेश में लागू होते ही श्रमिक साथियों को इसका लाभ मिलेगा। कहा कि, सभी श्रमिकों को सरकार द्वारा लागू श्रम नियमावली के तहत दैनिक मजदूरी, वेतन व अन्य सुविधाओं में बोनस, छुट्टी और ओवरटाइम ड्यूटी से छुटकारा मिलेगा, यदि ओवर टाइम आवश्यक हुई तो उसका अलग से पारिश्रमिक मिलेगा। कोई भी मालिकान अब किसी को बिना नोटिस निकाल नही सकता, और अब हर कर्मचारी को नियुक्ति पत्र मिलेगी।

सरकार श्रम हित में बेहतर कार्य कर रही है जल्द ही नये श्रम एक्ट का लाभ मिलेगा यह व्यवस्था पूरे देश में लागू है जिसमें हमारा उत्तर प्रदेश भी शामिल है। महामंत्री ने पूरे प्रदेश के निर्माण श्रमिकों से अनुरोध किया है कि सभी पात्र श्रमिक सर्वप्रथम अपना श्रम पंजीयन कराएं और जिनका हो गया है वह समय पर अंशदान अवश्य जमा करें जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

गौर तलब हो कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों की मांग पर यह बैठक आहूत की गई थी जिसमें माकू यूनियन के बैनर तले सरकार द्वारा निर्धारित मिनिमम वेज के मुद्दे के अलावा समय पर वेतन, बोनस व सामाजिक सुरक्षा गारंटी के तहत आवश्यक सुविधाओं की मांग रखी गई थी। इस अवसर पर महामंत्री मंगल तिवारी के साथ यूनियन समर्थक कन्हैयालाल मिश्र अरविंद कुमार दुबे के अलावा संगठित श्रमिकों में अजय कुमार सिंह, बिंदेश्वरी प्रसाद, विद्यासागर शुक्ला, राजेंद्र कुमार सिंह, कमलेश कुमार, अजीत कुमार यादव, लक्ष्मण दास, विद्याकांत दुबे, भुनेश्वर प्रसाद दुबे, महेंद्र कुमार यादव शिव कैलाश, दिनेश कुमार, विकास यादव, रामसागर यादव, रामबली, सुशील शुक्ला, अरविंद कुमार यादव, अशोक कुमार, अनिल कुमार, प्रवीण कुमार, अजय कुमार, अशोक कुमार, संतोष कुमार, लाल बहादुर, दुर्गा प्रसाद मौर्य, मनोज कुमार, राम इकबाल, कमलेश यादव, आदि रहे।

खेत में स्थित पंप सेट के कमरे से अज्ञात चोरों ने किया हाथ साफ

मांडा - प्रयागराज। थाना क्षेत्र की दिघिया पुलिस चौकी अंतर्गत ,दिघिया गांव में शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने खेत में बने पंपसेट के कमरे गेट की कुंडली काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने कमरे की कुंडी को काटकर अंदर प्रवेश किया। और वहां रखा गेहूं व स्टेबलाइजर, स्टाटर मशीन चोरी कर ले गए।

पीड़ित नीरज तिवारी ने अपने खेत में समरसेबल चलाने के उद्देश्य से एक कमरे का निर्माण कराया है।सर्दी का मौसम होने के कारण परिवार के सभी सदस्य मुख्य घर पर आकर सो रहे थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने सुनसान पड़े खेत पंप सेट के कमरे को निशाना बनाया।

शनिवार सुबह जब पीड़ित खेत पहुंचे तो कमरे की कुंडी कटी हुई देख घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पीड़ित ने तत्काल माण्डा थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच-पड़ताल शुरू की।

पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। ग्रामीणों का कहना है ।कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं से दहशत का माहौल है। उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द चोरी का खुलासा करने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

संविधान महोत्सव समिति के अध्यक्ष बने रविंद्र जैसल

अखंड भारत संदेश

कोरांव। संविधान महोत्सव समिति कोरांव के एक आवश्यक बैठक में सदस्यों के सर्वसम्मति से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संविधान महोत्सव आगामी चार फरवरी को मनाने के उद्देश्य से दिन रविवार को भागीरथी गेस्ट हाउस में रविंद्र जैसल जाटव प्रधान को समिति का अध्यक्ष और एडवोकेट शिवदानी पाल को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया।

इस पर उपस्थित सभी सदस्यों के द्वारा ताली बजाते हुए मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई दिया इस मौके पर अध्यक्ष रविंद्र जैसल ने कहा कि जिस प्रकार से समिति के सदस्यों ने अपना विश्वास जताया है उनके विश्वास पर खरा उतरना प्रथम प्राथमिकता होगी और दलित शोषित वंचित समाज को जागरूक करने के लिए गांव गांव अभियान चलाया जाएगा ताकि होने वाली चार फरवरी को संविधान महोत्सव को जोरदार ढंग से मनाया जा सके बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि महोत्सव पूर्ण रूपेण गैर राजनैतिक होगा किसी संगठन या पार्टी का प्रचार प्रसार विरोध नहीं किया जाएगा।

इस मौके पर मुख्य रूप से सोमदत्त सिंह पटेल जिला पंचायत सदस्य अजय पटेल शिक्षक सभाजीत सिंह पटेल शिक्षक अजीत पटेल पवन सिंघाल पटेल शहादत अली मेहताब खान नौशाद अंसारी अश्वनी पटेल राजेश यादव त्रिवेणी यादव एडवोकेट राव वीरेंद्र पटेल रामानुज यादव प्रधान हरि प्रसाद पाल संजय यादव संत पाल पवन सोनकर त्रिवेणी यादव चंद्रबली पाल बनवारी लाल जैसल दिनेश चौधरी प्रकाश पटेल दिनेश पटेल के डी यादव अजय यादव अमरेंद्र वर्मा अमित जैसल कमलेश जैसल आदि लोग उपस्थित रहे।

माघ मेले में कला संगम सांस्कृतिक संध्या: लोक कला, भजन और नृत्य ने दर्शकों का मन मोहा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेले के अंतर्गत संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित कला संगम सांस्कृतिक संध्या का आयोजन ₹गंगा पंडाल₹, सेक्टर 3, परेड ग्राउंड में भव्य रूप से किया गया। लोकगीत, शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य और पारंपरिक धुनों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देश भर के प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से मंच और दर्शक दोनों को रंगीन बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हीतेश भारद्वाज और उनके साथी लखनऊ के प्रसिद्ध भजन गायक ने गणेश बंदन के साथ किया। उन्होंने कबीर की सूफी विचारधारा पर आधारित रचनाओं जैसे ह्लकुछ लेना न देना मगन रहनाह्व, ह्लमन लागा मेरा यार फकीरी मेंह्व आदि का गायन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शास्त्रीय संगीत में प्रख्यात गायक प्रोफेसर पंडित साहित्य कुमार नाहर ने सितार वाद्य वृंद के साथ राग कल्याण, मिश्र खमाज पारंपरिक धुन और ह्लश्री राम चन्द्र कृपालु भजमनह्व का प्रस्तुतीकरण किया। इसी दौरान 10 वर्षीय बाल कवि कविराज रघुनंदन ने गिद्धराज जटायू की वीरता पर आधारित कविता ह्लवेश बदल कर चली दशानन, पर्ण कुटीर के द्वार खड़ाह्व सुनाकर दर्शकों का मन मोह लिया। वाराणसी के प्रसिद्ध भजन गायक मासूम अली और उनकी टीम ने गंगा गीत और भजन जैसे गंगा मैय्या सुन लो अर्जियां हमारे, जय बोलो राजा राम की, जय शिव शंकर अविनाशी प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

रंजना उपाध्याय और उनकी टीम ने शिव की स्तुति नृत्य का मंचन किया। माला शर्मा ने कथक और लोक नृत्य का शानदार प्रदर्शन किया। लखनऊ की सुप्रसिद्ध लोक एवं सुगम संगीत गायिका डा. मेनका मिश्रा ने राम भजन और सूफी प्रस्तुतियां गाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। माला शर्मा, पं. अर्जुन मिश्रा और पूर्णिमा पांडेय की शिष्या ने अपनी टीम के साथ ह्लकेवट के रामह्व नृत्य नाटिका का मंचन किया। लखनऊ से आयीं कथक एवं लोक नृत्यांगना अंशिका त्यागी ने राजस्थानी, अवधी और हरियाणवी नृत्यों की प्रस्तुतियों से मंच और दर्शकों का ह्रदय जीत लिया। सांस्कृतिक संध्या में मशहूर भजन गायिका तृप्ति शाक्या और उनके साथी कलाकारों ने कभी राम बनके कभी श्याम बनके, सत्यम शिवम सुंदरम और अन्य भजनों का प्रस्तुतीकरण कर सभी को सम्मोहित कर दिया। मंच का सफल संचालन पियूष श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर अश्विनी पटेल, अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा काशी प्रांत, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के सदस्य आर. पी. बघेल, संस्कृति विभाग नोडल अधिकारी सुभाष चंद्र यादव, गुलाम सरवर सहित पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा और ललित कला अकादमी लखनऊ के अधिकारी देवेन्द्र त्रिपाठी उपस्थित रहे। सभी मूर्धन्य कलाकारों को अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भरवारी में शराबी बेटे ने बुजुर्ग मां को पीट-पीटकर मौत के घाट उतारा

भरवारी। भरवारी के पुरानी बाजार में शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां नशे का आदी बेटे ने अपनी ही 70 वर्षीय मां की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि लल्लैयां (पत्नी स्व. याकूब) अपने घर में रह रही थीं। उनका बेटा गुड्डू शराब का आदि था और अक्सर घर में उत्पात मचाता रहता था। शनिवार को नशे में धुत गुड्डू ने अपनी मां पर हमला कर उन्हें पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया जिससे मोहल्ले में हड़कंप मचा हुआ है ।

मण्डलायुक्त ने मतदात केन्द्र सेंट जोसेफ गर्ल्स इण्टर कॉलेज ममफोर्डगंज का किया निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त/ रोल आब्जर्वर श्रीमती सौम्या अग्रवाल रविवार को निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान कार्यक्रम के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-262, इलाहाबाद उत्तर के मतदान केन्द्र सेंट जोसेफ गर्ल्स इण्टर कॉलेज, ममफोर्डगंज का निरीक्षण किया। वहां पर पहुंचकर उन्होंने मतदाता सूची का निरीक्षण किया तथा मतदाता सूची में जिन मतदाताओं की फोटों स्पष्ट नहीं थी, उनको बदलने हेतु सम्बन्धित बी0एल0ओं0 को निर्देशित किया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन परिवारों के मतदाताओं के नाम अलग-अलग बूथों में अंकित हैं उन परिवारों के सभी मतदाताओं के नाम एक ही मतदान केन्द्र पर शामिल किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाय। उन्होंने कहा कि यदि किसी अर्ह मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में छूट गया है या नया मतदाता है, तो उसका फार्म-6 घोषणा-पत्र सहित भरवाकर मतदाता सूची में शामिल किया जाय। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मतदाता सूची में किसी का नाम, उम्र, लिंग आदि से सम्बन्धित कोई त्रुटि है, तो उसके संशोधन हेतु फार्म-8 घोषणा-पत्र सहित भरवायें। यदि किसी मतदाता का फोटो, सूची में धुंधली, काली, साइज में छोटी या ज्यादा पुरानी है, तो सम्बन्धित मतदाता की नवीनतम फोटो अपडेट करायें। यदि प्रविष्टियों में कोई विषंगति है, तो फार्म-8 घोषणा-पत्र सहित भरवाकर सही कराने हेतु निर्देशित किया गया।

मण्डलायुक्त ने मतदान केन्द्र पर उपस्थित मतदाताओं से वार्ता भी की। इस दौरान मतदाताओं द्वारा बताया गया कि फार्म-6 को भरने एवं किसी भी प्रकार के संशोधन हेतु फार्म-8 को भरने में किसी प्रकार की समस्या नहीं है। बी0एल0ओ0 के द्वारा सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने मतदान केन्द्र पर उपस्थित बी0एल0ओ0, गीता कुमारी, दानपत्ती वर्मा, कलावती एवं प्रदीप कुमार मिश्रा से मतदाता सूची के पढ़ने के बारे में जानकारी ली, जिस पर सम्बन्धित बी0एल0ओ0 एवं सुपरवाइजर के द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची को मतदाताओं की उपस्थिति में पढ़ा गया।

निरीक्षण के दौरान मौके पर उपजिलाधिकारी सदर सिंह, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, गणेश कनौजिया, सुपरवाईजर एवं बी0एल0ओ0 उपस्थित रहें।

बैकस्टेज का मोहक नाटक प्रयोग 'फरेब-ए-हस्ती'

जुगनुओं की तरह झिलमिलाया रहा अतीत और आज

मौजूदा सदी में आए मिर्जा गालिब

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उर्दू के महान शायर मिर्जा गालिब को समकालीन समय से संवाद में लाने वाला नाटक ह्यफरेब-ए-हस्तीह्न रंगमंच पर नए और आकर्षक प्रयोग के रूप में सामने आता है। विवश करता फंतासी और यथार्थ के बीच आवाजाही करता यह नाट्य प्रस्ताव एक रोचक हादसे के बहाने गालिब को आज की दिल्ली में ला खड़ा करता है, जहाँ आधुनिक जीवन की विडंबनाएँ, समय की विसंगतियाँ और सत्ता की शंकाएँ आदि उनके साथ एक अजीब-सी टकराहट रचती हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, यह हल्की-फुल्की विडंबना खुफि या तंत्र, पहचान और इतिहास की राजनीति से टकराती हुई गहरे नाटकीय प्रश्नों में बदल जाती है। इस नाटक का बेहद प्रभावी मंचन बैकस्टेज संस्था की ओर से किया गया। निर्देशन प्रवीण शेखर ने किया। नाट्य आलेख प्रो. सादिक का लिखा हुआ है। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से इस नाटक के दो प्रदर्शन रविंद्रालय प्रेक्षागृह में किए गए।

बैकस्टेज नाट्य समूह का यह रोचक और मोहक रंग प्रयोग अतीत और वर्तमान के रिश्तों पर नए सिरे से सोचने को भी विवश करता है। 'फरेब-ए-हस्ती ' में एक रोचक हादसे की वजह से मिर्जा गालिब को मौजूदा सदी में पेश होना पड़ता है। यह हादसा इतना दिलचस्प है कि 18वीं सदी का मशहूर शायर जब आज की दिल्ली में घूमता है तो मानो हर चीज उससे मजाक या कॉमेडी करती नजर आती है। इस रोचक फंतासी को एकदम यथार्थवादी अंदाज में पेश किया गया है, जहाँ पर हर दृश्य के बाद स्थितियाँ और भी ड्रामाई होती चली जाती हैं। इस सब के बीच माजी और हाल के न जाने कितने सवाल और उनके जवाब जुगनुओं की तरह झिलमिलाते रहते हैं। प्रभावी नाटक में अमर सिंह ने जिस खूबी से गालिब की भूमिका अभिनीत की, वह यादगार अनुभव है। सतीश तिवारी, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, उपासना तिवारी, आयुष केसरवानी, आशुतोष मंजुलशरण नेवी दर्शकों को बेहद प्रभावित किया। दुर्गेश, सानू, शिखर, आशीष, सत्यवान ने प्रस्तुति को गतिशील बनाए रखा। सुंदर प्रकाश योजना टोनी सिंह और प्रस्तुति के नरेटिव को असरदार बनाते संगीत को रचा अमर सिंह ने। वेशभूषा डालचंद, रूपसज्जा हामिद की थी। निर्देशन प्रवीण शेखर, प्रस्तुति नियंत्रण आलोक सिंह का था। यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की आर्थिक अनुदान से हुआ।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती पड़ी महंगी : विवाहिता को भगा कर लाने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

थरवई। इंस्टाग्राम पर युवक की दोस्ती पड़ गई महंगी। दोस्ती इतनी बढ़ गई की विहाहिता को भगाकर युवक ने लाया अपने घर। उधर विवाहता का पता ना चलने पर पति की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज की गई और जाँच में पुलिस जुटी रही। जनपद प्रयागराज के थाना क्षेत्र थरवई अंतर्गत दुवारी गांव में रविवार को बिहार पुलिस थरवई पुलिस के साथ आरोपी के घर पहुंची। पुलिस ने आरोपी युवक एवं बिहार राज्य से भगाकर लायी गई विवाहित महिला को पुलिस ने आरोपी युवक को उसके घर से पकड़ते हुए हिरासत में लिया। आरोपी युवक सहित दोनों को पकड़कर बिहार पुलिस ने अपने साथ लेकर गई। जानकारी के अनुसार थाना थरवई अंतर्गत ग्राम दुवारी का रहने वाला युवक अन्नू पुत्र राम मूरत जो बिहार राज्य के जनपद भागलपुर के थाना सुकवर ग्राम सुकमा गया था। युवक की दोस्ती विहाहिता से इंस्टाग्राम पर हुई दोनों के बीच चैटिंग के द्वारा दोस्ती धीरे धीरे करीब लेकर आने लगी जिससे नजदीकियां बढ़ने लगी। तभी बीते करीब 10 दिन पहले युवक ने उस विवाहिता को भगाकर अपने गांव दुवारी घर पर ले आया था। उधर महिला के अचानक गायब हो जाने से उसके पति व घर वाले काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता ना चल सका तभी पति ने सम्बंधित थाने गुमशुदगी दर्ज कराई। पति की प्राप्त तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी को दर्ज करते हुए मामले की छानबीन में जुट गई। तभी महिला के मोबाइल की लोकेशन जनपद प्रयागराज के अंदर दिखा रहा था। तभी बिहार पुलिस ने प्रयागराज पहुंची तो लोकेशन थाना थरवई के दुवारी गांव पायी गई। तभी बिहार पुलिस और थरवई पुलिस की संयुक्त टीम के साथ आरोपी युवक के घर पहुंची तो मौके से आरोपी युवक को और उस महिला को हिरासत में लेते हुए थाने ले गई पुलिस फिर दोनों को बिहार पुलिस अपने साथ उन्हें लेकर बिहार गई। बताया जा रहा विवाहिता का करीब 10 माह का बच्चा भी था। इंस्पेक्टर थरवई संतोष कुमार पाण्डेय ने बताया की आरोपी युवक के घर से दोनों को हिरासत में लिया गया एवं पूछताछ करते हुए बिहार पुलिस अपने उन्हें अपने साथ ले गई।

सामाजिक आयोजनों से युवाओं को आगे बढ़ने की मिलती है प्रेरणा : उज्जवल रमण सिंह

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना : दुर्गा प्रसाद गुप्ता

सिरसा के अमिलहवा चौराहा स्थित स्वयंबर गेस्ट हाउस में भारतीय राष्ट्रीय वैश्य महासंघ का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं समरसता भोज कार्यक्रम संपन्न

अखंड भारत संदेश

भारतीय राष्ट्रीय वैश्य महासंघ के प्रतिभा सम्मान समारोह में मौजूद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों स्वागत करते संघ के पदाधिकारीगण

मेजा। भारतीय राष्ट्रीय वैश्य महासंघ के पदाधिकारियों के तत्वावधान में रविवार को सिरसा के अमिलहवा स्थित स्वयंबर गेस्ट हाउस में मेजा के पूर्व ब्लाक प्रमुख जंगीलाल गुप्ता की अध्यक्षता में प्रतिभा सम्मान समारोह और सामाजिक समरसता भोज का कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रयागराज के सांसद कुंवर उज्जवल रमण सिंह रहे। कार्यक्रम में वैश्य समाज के ऐसे लोग जो सरकारी नौकरियों से सेवानिवृत्त हो चुके हैं को जहां उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया वहीं महासंघ द्वारा सामाजिक एकता और सौहार्द का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के आयोजक एवं महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता और राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुखलाल साहू रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन सर्व वैश्य चेतना समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिओम साहू ने किया जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में क्रमशः मछलीशहर की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर, सर्व साहू राठौर महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रकान्ता साहू,गोपीगंज नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, भोजपुरी गायक राजेश परदेशी और परिवर्तन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण कुमार साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह का आभार जताते हुए मुख्य अतिथि प्रयागराज के सांसद कुंवर उज्जवल रमण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज की प्रगति का आधार है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। सांसद उज्जवल रमण ने सामाजिक समरसता को एक समृद्ध समाज के लिए आवश्यक बताते हुए सभी वर्गों से देश के विकास में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता हरिओम साहू ने वैश्य समाज की सामाजिक और आर्थिक विकास में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और सामाजिक समरसता को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए सभी वर्गों को साथ लेकर चलने पर जोर दिया। इसी क्रम में कार्यक्रम के आयोजक तथा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करना है। इतना ही नहीं श्री गुप्ता ने आगे कहा कि सामाजिक समरसता भोज के माध्यम से वैश्य समाज को आपसी सौहार्द और एकता का संदेश दिया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि संगठन भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के जरिए समाज को एकजुट करने का कार्य अनवरत जारी रखेगा। इसके अतिरिक्त सामाजिक समरसता भोज के आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया भोजन ग्रहण किया। तपश्चात वैश्य समाज के गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से राहत पहुंचाने के लिए जहां कंबल वितरित किया गया वहीं महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा आर्थिक तंगी की वजह से उच्च शिक्षा से वंचित रहने वाले वैश्य समाज के बच्चों को आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की गई। इस मौके पर सतीश चंद्र गुप्ता के अलावा क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य लोग,समाजसेवी, संगठन पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में शाहू समाज के लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शताब्दी वर्ष केवल उत्सव नहीं संकल्पों को पूर्ण करने का अवसर : प्रेम सागर

अखंड भारत संदेश

जंघई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर चनेथू चंद्रमौलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में सकल हिंदू समाज समिति अनुवां मंडल द्वारा हिंदू जागरण की दिशा को नई उर्जा एवं चेतना प्रदान करने हेतु सर्व हिंदू समाज द्वारा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के प्रतीक विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन चंद्रशेखर जी अध्यक्ष खंड पालक प्रतापपुर की अध्यक्षता मे किया गया ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज में चेतना, जागरूकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सुदृढ़ करना रहा। मुख्य वक्ता प्रेम सागर जी जिला प्रचारक ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का नहीं बल्कि सामाजिक दायित्वों और संकल्पों को पूर्ण करने का अवसर है। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक पंच परिवर्तन पर

उन्होंने सामाजिक समरसता, हिंदू समाज की एकता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता को समय की आवश्यकता बताते हुए समाज को संगठित होकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। उपस्थित सभी नागरिकों व कार्यकताओं के प्रति खंड संचालक हृदय नारायण जी ने आभार व्यक्त किया, संचालन रमेश चंद्र जी एवं आशीष जी ने किया। इस अवसर पर जिला कार्यवाह जगत जी, अनिल जी, विशिष्ट अतिथियों में आचार्य धरणीधर शुक्ल, अशोक द्विवेदी, सीताराम तिवारी, गरुण पांडेय, हरिशंकर, राजेश द्विवेदी, उमेश दुबे, राजू सिंह, शैलेष पाठक, श्रीकांत यादव, जीत नारायण प्रजापति, देवेंद्र सिंह, अशोक दुबे, बृजेश यादव, रमेश पांडेय, मनोज पांडेय, संतोष पांडेय, दिनेश मिश्र, बाबुलनाथ, राम शिरोमणि दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

बिशप हार्टमन एकेडमी में पेरेंट्स मीटिंग हुई आयोजित

बच्चों की शिक्षा पर प्रगति क्के मद्देनजर हुई चर्चाः कमजोर बच्चों पर शिक्षक की होगी विशेष नजर

थरवई। शनिवार को बिशप हार्टमन एकेडमी में बच्चों की हुई परीक्षाओं के परिणाम को दिखाया गया जिसमें कॉपीयों को भी अभिभावकों के सामने प्रस्तुत किया । बिशप हार्टमन एकेडमी के फादर एल्बर्ट लोबो के कुशल निर्देशन में शनिवार को पेरेंट्स मीटिंग आयोजित की गई जिसमें बच्चों की हुई परीक्षा के परिणाम को बच्चों के अभिभावकों को दिखाया। वहीं हर कक्षाध्यापक द्वारा अभिभावकों से बच्चों में शिक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई एवं पढ़ाई में कम अंक आने वाले बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए उनकी कमियों को जाना जिससे आगामी अच्छे अंक को प्राप्त कर सकें। उन्हें और भी अच्छे से पढ़ने को लेकर प्रेरित किया।

विशाल निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर में 364 का हुआ परीक्षण

करछना। क्षेत्र के जारी मिश्रा बाधं बरेठिया में रविवार को कनक मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में एक विशाल निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रयागराज के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा 364 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें चिकित्सीय परामर्श आदि सेवाए प्रदान की गई।

शिविर में कुल 364 मरीजों का पंजीकरण किया गया। डायरेक्टर राम मिलन कुशवाहा ने बताया कि इस अवसर पर थायराइड, दमा, अस्थमा, टी.बी., मियादी बुखार, नेत्र रोग, हड्डी रोग, प्रसूती एवं स्त्री रोग तथा शिशु एवं बालरोग आदि रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल थे। मरीजों की विभिन्न जांचें की गईं, जिनमें ई.सी.जी., सी.बी.सी. और बी.पी., शुगर टेस्ट एवं ब्लड प्रेशर सहित अन्य आवश्यक जांचें भी की गईं। इस अवसर पर डॉ मनीष कुशवाहा, फिजिशियनडा शिवम पाण्डेय, हड्डी रोग विशेषज्ञडा एस कुमार, एम डीडा सुमन पाण्डेय, स्त्री रोग विशेषज्ञ? ,डॉ समर कलीम, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ आर के पाण्डेय, शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ डॉ एम एस कुशवाहा, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ पी के पाण्डेय, नेत्र रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

बाउंड्री वॉल फांदकर स्कूल-पंचायत भवन में चोरी, महत्वपूर्ण अभिलेख बिखेरे

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों अंतर्गत विकासखंड सहसों के ग्राम बगई खुर्द स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शनिवार/रविवार की रात अज्ञात चोरों ने बाउंड्री वॉल फांदकर परिसर में घुस जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने विद्यालय व पंचायत भवन के कई कक्षों के ताले तोड़कर कीमती व उपयोगी सामान चोरी कर लिए साथ ही महत्वपूर्ण अभिलेखों को बाहर निकालकर अस्त-व्यस्त कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरों ने विद्यालय परिसर में लगे शटर, कार्यालय कक्ष, स्टोर रूम, रसोईघर, विज्ञान प्रयोगशाला, पंचायत भवन के कंप्यूटर कक्ष तथा आंगनवाड़ी कक्ष के ताले तोड़ कर इन कक्षों में रखा गैस सिलेंडर, पैक्ड चूल्हा, बड़ा स्पीकर, नया पैक्ड ट्यूबलाइट, बड़ा भगोना, खेलकूद का सामान सहित अन्य जरूरी सामग्री चोर उठा ले गए। इतना ही नहीं, चोरों ने विद्यालय व पंचायत भवन में रखी आलमारियों को खोलकर उनमें रखे महत्वपूर्ण रजिस्टर, अभिलेख एवं आवश्यक प्रपत्र बाहर निकालकर बिखेर दिए, जिससे विद्यालय व पंचायत व्यवस्था से जुड़े दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रधानाध्यापक अरुण कुमार वर्मा विद्यालय पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने ग्राम प्रधान को सूचना देते हुए रविवार को सहसों पुलिस को लिखित तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

सेवानिवृत्त शिक्षक राजकुमार मिश्रा का निधन, शोक की लहर

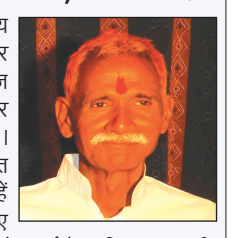

मांडा ' स्थानीय पत्रकार संदीप मिश्रा के 74 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक पिता राजकुमार मिश्रा का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वे बीमारी के चलते प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन पर शिक्षकों और पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, राजकुमार मिश्रा की तबीयत बुधवार को अचानक खराब हो गई थी। परिजन उन्हें प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था। गुरुवार सुबह लगभग आठ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। राजकुमार मिश्रा मांडा क्षेत्र के महेवों कला गांव के निवासी थे। उनके पुत्र संदीप मिश्रा एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार हैं। उनका अंतिम संस्कार महेवा गंगा घाट पर संपन्न किया गया।

(राष्ट्रीय युवा दिवस)

प्रयत्न करो इस कौतुकता से की, सफलता से संपूर्ण भारत आनंद हो जाए।
मंजिल भी अब दूर नहीं है,जब हर युवा खुद में विवेकानंद हो जाए।।
जब सबसे अधिक युवाओं वाला राष्ट्र,अपना प्यारा वतन हिंदुस्तान है।
तो उठो, जगो, मां भारती के वीर सपूतों,तुमसे ही भारत की आन बान शान है।।
है युवा शक्ति, बल, बुद्धि और साहस जिसमें,वह विषम काल में भी अड़ जाएगा।
है शूरवीर जो अतुलित योद्धा,वह अभय अकेले ही रणभूमि में लड़ जाएगा।।
यही समय है सही समय है,अब नव्य अद्भुत कीर्तिमान करने का तुम प्रण करो।
भारत पुलकित और उत्सुक है प्यारे,अब अपने अप्रतिम शोध का तुम चित्रण करो।।
यदि अंत तक डटे रहे तुम संघर्ष पथ पर,तो यकीनन भविष्य निखर जाएगा।
अब कहां रुकने वाला यह सफर,अब तो यह सफलता के शिखर जाएगा ।।
प्रयत्न करो इस.....हर युवा विवेकानंद हो जाए।

लेखक : (आशीष कुमार सैनी)
पुराछात्र- इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल प्रत्याशी देवेंद्र मिश्र नगरहा के समर्थन में नैनी में भव्य स्वागत समारोह

नैनी। नैनी उत्तर प्रदेश बार काउंसिल पद के प्रत्याशी देवेंद्र मिश्र नगरहा एडवोकेट के समर्थन में रविवार को नैनी क्षेत्र के अधिवक्ता पार्षदों द्वारा एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के प्रत्याशी देवेंद्र मिश्र नगरहा उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा महानगर भाजपा नर सिंह ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरु प्रसाद राव उर्फ बुलबुल एवं राजेश तिवारी एडवोकेट उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगरहा जी के समर्थन में बोलते हुए पार्षद सोनू यादव ने कहा कि अधिवक्ता समाज ही आम जनमानस के बीच जाकर भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाता है और पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य करता है। पार्षद मयंक यादव ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ता की कोई जाति नहीं होती, वह केवल न्याय और कानून के पक्ष में खड़ा होता है। उन्होंने सभी पार्षदों से अधिवक्ताओं के प्रथम मत देवेंद्र मिश्र नगरहा के पक्ष में देने की अपील की। अपने संबोधन में देवेंद्र मिश्र नगरहा ने कहा कि वह बार काउंसिल का चुनाव अपने व्यक्तिगत हित के लिए नहीं, बल्कि प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के समस्त अधिवक्ताओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता हितों की सुरक्षा और अधिवक्ता सम्मान उनके लिए सर्वोपरि है। उन्हें हर वर्ग के अधिवक्ताओं का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने सभी पार्षदों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह जीवनभर

निस्वार्थ भाव से अधिवक्ता समाज की सेवा करते रहेंगे। कार्यक्रम में नगरहा के समर्थन में सत्यम शुक्ला, शिव मनोरथ शुक्ला, पार्षद दीपचंद मुन्ना, पार्षद राजा भारतीय, पार्षद संजय पासी, पार्षद माया देवी, आलोक एडवोकेट, गणेश पांडे, शशि शर्मा उर्फ लालू भैया सहित अनेक लोगों ने समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर अनुज गौतम एडवोकेट, सविता साहू एडवोकेट, मो. शाहिद, वीरेंद्र सिंह एडवोकेट, सर्वेश द्विवेदी, डॉ. वी. के. द्विवेदी, घनश्याम जायसवाल, सोनू तिवारी, नीरज शुक्ला, सुष्मिता यादव, यूसुफ अंसारी सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

गौशाला कर्मचारी व गरीबों को ग्राम प्रधान ने वितरित किया कंबल

लालापुर। लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए ग्राम प्रधान धरा ने रविवार को गरीबों एंव गौशाला कर्मचारियों को कंबल वितरण किया। ग्राम प्रधान ने कहा कि यह पहल बढ़ती ठंड और शीतलहर के मद्देनजर की गई है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों को राहत प्रदान करना है। ग्राम प्रधान ने व्यक्तिगत रूप से गांव के उन परिवारों की पहचान की, जिन्हें ठंड से बचाव के लिए तत्काल सहायता की आवश्यकता थी। इस वितरण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को सर्दियों के मौसम में होने वाली कठिनाइयों से बचाना है। ठंड के दौरान कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर....नक्कू, मुलायम, बेला कली, गुड्डन देवी, शब्बू लाल, अजीत, विनोद, बृजलाल, निर्मलचंद्र, रंजीत संतोष सहित अन्य कई लोग रहे।

उग्रसेनपुर क्रिकेट क्लब के मैच में रानीगंज की टीम सेमी फाइनल में पहुंची

जंघई। उग्रसेनपुर क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित स्व. राहुल प्रताप सिंह कैश मनी क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत चौथा क्वार्टर फाइनल मैच क्रिकेट वरहद सुपर किंग रानीगंज प्रतापगढ़ बनाम पीसीसी फूलपुर प्रयागराज के मध्य खेला गया पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए तेजस वरहद सुपर किंग रानीगंज प्रतापगढ़ ने निर्धारित 20 ओवर में 10 विकेट खोकर अनुज प्रताप सिंह 38 गेंद में 4 चौकों और 3 छक्कों से 61 रनों के बदौलत 196 रनों विशाल लक्ष्य रखा। जबाब में बल्लेबाजी करते हुए पीसीसी फूलपुर प्रयागराज की पूरी टीम 93 रनों पर आल आउट हो गई। जीत हासिल करके वरहद सुपर किंग रानीगंज प्रतापगढ़ सेमीफाइनल में प्रवेश कर गई शानदार बल्लेबाजी के साथ जीत दिलाने पर अनुज प्रताप सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर अजीत कुमार पांडेय आयोजक संचालक, हरिओम यादव, चंद्र प्रकाश यादव, दीपक सिंह, जनेश्वर मिश्र बनकटा, गुलाब यादव, भागीरथी बिंद, मनीष पांडेय, विनय दुबे, अर्पित शर्मा, वसीम, गौरव गुप्ता, सचिन यादव, जीवन गिरी, मुन्ना मिश्र, दयाराम यादव, भुट्टो भाई, हनीफ भाई, राम प्रवेश भारतीय आदि लोग मौजूद रहे।

ननिहाल में रह रहे युवक का शव जंगल में पेड़ से लटका मिला

हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के उदई शाहपुर गांव में ननिहाल में रह रहेयुवक का शव गांव से करीब 400 मीटर दूर जंगल में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ भेज दिया।

जानकारी के अनुसार जौनपुर जनपद के महाराजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदपुर निवासी अविनाश गौतम (18) पुत्र स्वर्गीय राकेश गौतम पिछले कई वर्षों से अपने मामा सुनील के घर उदई शाहपुर गांव में रह रहा था। शनिवार को वह हाई स्कूल की प्री-बोर्ड परीक्षा देकर घर लौटा था। रविवार सुबह जब ग्रामीण नित्य क्रिया के लिए डीहवा जंगल की ओर गए तो पेड़ से लटकता उसका शव दिखाई दिया।शव देखे जाने के बाद गांव में भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष आसपुर देवसरा विजेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से विभिन्न साक्ष्य एकत्र किए।पुलिस के अनुसार मृतक की जेब से मोबाइल फोन बरामद हुआ है तथा उसके एक कान में सफेद रंग का ईयरबड लगा हुआ था। बताया गया कि अविनाश के माता-पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। वह बचपन से ननिहाल में ही रह रहा था। उसका एक भाई प्रशांत दिल्ली में रहकर नौकरी करता है, जबकि एक बहन के होने की भी जानकारी सामने आई है। घटना के बाद से ननिहाल में कोहराम मचा हुआ है। सूचना मिलने पर भाई दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया है।थाना अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की आशंका जताते हुए प्रार्थना पत्र दिया गया है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

क्रिकेट टूर्नामेंण्ट में शीतलमऊ इलेवन ने जीता फाइनल खिताब, हुए पुरस्कृत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पंचायत के अझारा वार्ड में हुए अझारा क्रिकेट टूनार्मेण्ट में रविवार को फाइनल मुकाबले में सीपीएस नवीन इलेवन शीतलमऊ को विजेता कप हासिल हुआ। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व कोतवाली के एसएसआई अरूण सिंह ने विजेता एवं उप विजेता टीम को समारोहपूर्वक पुरस्कृत किया। फाइनल मुकाबला सीपीएस नवीन इलेवन शीतलमऊ व कपूर इलेवन के बीच हुआ। टॉस जीतकर शीतलमऊ इलेवन ने पहले बोलिंग करने का फैसला लिया। कपूर इलेवन ने निर्धारित पन्द्रह ओवरों में तिरासी रन बनाये। चैरासी रन के लक्ष्य को साधते हुए सीपीएस इलेवन ने चैदहवें ओवर मे ही तीन विकेट से विजेता कप अपने नाम कर लिया। फाइनल में मैन आफ द मैच का खिताब आवेश द्विवेदी को मिला। अम्पायर की भूमिका विनय मिश्र व सुब्रत तिवारी ने निभाई। स्कोरर ललित मलिंगा रहे। आयोजक सभासद प्रतिनिधि धर्मपाल गौतम व संयोजक अजय मिश्र आशीष ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के आयोजन समिति के अध्यक्ष आशीष, श्रीश पाण्डेय, प्रभाकर मिश्र, विद्याशंकर मिश्र की आयोजन में सराहनीय भूमिका दिखी।

न्यूज झरोखा

जामताली से प्रयागराज के लिए रवाना हुआ सैकड़ो सनातनियों का जत्था

बेलखरनाथ धाम। रानीगंज तहसील क्षेत्र के जाम ताली डड़वा गांव स्थित पहलवान वीर बाबा मंदिर पर सत्य सनातन धर्म के प्रचार प्रसार हेतु भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के अगुवा राजेंद्र विश्वकर्मा उर्फ भोलेनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म को सजोने संवारने और बचाने की जरूरत है। और सभी हिंदुओं को एकजुट होने की जरूरत है। हिंदू धर्म संकट के दौड़ से गुजर रहा है। इसलिए सभी हिंदू भाइयों को सनातन धर्म को बचाने के लिए एकजुट होने की जरूरत है। क्योंकि एकता सबसे बड़ी ताकत होती है। हम सब एक हैं तो सेफ हैं। छुआछूत की करो विदाई आपस में है सब भाई-भाई। सनातन धर्म की रक्षा कौन करेगा हम करेंगे हम करेंगे के नारे से जामताली क्षेत्र गूंज उठा। इस दौरान गाजे बाजे डीजे के साथ सनातन धर्म पद यात्रा निकाली गई। यह यात्रा जामताली से प्रयागराज के लिए रवाना हुई। और जब यह सनातन धर्म यात्रा के लोग पीला वस्त्र धारण किए हाथ में पताका लिए मुख से सनातन धर्म का जयकारा लगाते जामताली बाजार पहुंची तो सनातन धर्म से बाजार सरा बोर हो उठी। और जामताली के सनातनियों ने सनातन धर्म यात्रा में सम्मिलित होकर उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेंद्र विश्वकर्मा, विश्वनाथ सिंह, अरुण सिंह, जितेंद्र सिंह,भूपेंद्र सिंह, मोहित सिंह, रतन पाल, जितेंद्र, अतुल, राम यश पाल, नितिन, रामचंद्र, विजयपाल नर नारी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

महायज्ञ के पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

प्रतापगढ़। विश्वनाथगंजबाजार स्थित पूरेखरगराय गांव स्थित महामाया धाम में सोमवार से पंचकुंडीय रूद्रचंडीय महायज्ञ व संगीतमयी कथा का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में रविवार को धाम पर 51 फिट ऊंचा ध्वज लगाने के साथ ही कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर विश्वनाथगंज बाजार, पूरे अजमेर शाह, अंतपुर, पनियारी, अकोढ़िया, मान्धाता, हरखपुर, उसरापुर, भगवतगंज बाजार, अकारीपुर, बोझी होते हुए मंदिर परिसर में समाप्त हुई। इस दौरान डीजे की धुन पर लोग जयकारा लगाते हुए निकले। इसके साथ ही भगवान भोलेनाथ की झांकी भी निकाली गई। कार्यक्रम का आयोजन आचार्य अभिनेश तिवारी की देखरेख में काशी से आये विद्धानो द्वारा सम्पन्न होगा। सोमवार से आयोजित होने वाली पंचकुंडीय रूद्रचंडी यज्ञ तीन दिन चलेगा।

बूथों पर स्थानीय लोगों की उपस्थिति में आलेख्य मतदाता सूची पढ़ी गई

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य प्रगति पर है। निदेर्शों के अनुसार दिनांक 11 जनवरी 2026 को समस्त बूथ लेवल ऑफिसरों (बीएलओ) द्वारा अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं, क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों तथा राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों के समक्ष मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया। इसी क्रम में उपजिलाधिकारी सदर नैंसी सिंह की उपस्थिति में 248 प्रतापगढ़ के बूथ सगरा,चकबनतोड़, जहनईपुर, अबूल कलाम इंटर कॉलेज आदि बूथों पर स्थानीय लोगों की उपस्थिति में आलेख्य मतदाता सूची पढ़ी गई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ने सभी स्थानीय लोगों से अपील करते हुए कहा कि जो भी नागरिक 18 साल के हो गए हैं वे सभी लोग फार्म 6 एवं घोषणा पत्र भरकर अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराए, यदि मतदाता सूची में किसी प्रकार का संशोधन है तो उसे आवश्यक करवा ले। इस अवसर पर बी.आर.सी. अरविंद धर्मेंद्र ओझा, शशांक कुमार उमरवैश्य, रूपेश ओझा संदीप यादव आदि सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

आधा दर्जन से अधिक गांवों में सुनी जनता की समस्याएं

अखंड भारत संदेश

कुंडा। एमएलसी कुँवर अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल भइया ने रविवार को जनप्रतिनिधि आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बिहार विकास क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही समाधान कराया। साथ ही पार्टी के हित में जनता से सुझाव भी मांगे।जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्होंने जातिवादी राजनीति पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक कभी जाति की राजनीति में विश्वास नहीं करती। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान में जनप्रतिनिधियों को विधायक, सांसद न कहकर जनसेवक कहा गया है, न कि किसी जाति का प्रतिनिधि।उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भइया ने हमेशा सेवा की राजनीति की है। गरीब कन्याओं के विवाह, नेत्र ऑपरेशन, विकलांगों को ट्राई साइकिल जैसी मदद में कभी जाति नहीं देखी गई। कहा कि आज कुंडा और प्रतापगढ़ की पहचान सिर्फ प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश-विदेश में राजा भइया के नाम से है, यह सेवा और जनविश्वास की राजनीति का ही परिणाम है।जनप्रतिनिधि आपके द्वार कार्यक्रम के तहत उन्होंने सकरदहा, कोडरासाल, समसपुरदामू, ऐमाजाटूपुर, बरबसपुर, गोगौर और देवरी हरदोपट्टी गांवों में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की। प्रधान संघ जिलाध्यक्ष गोगौर प्रधान नवीन कुमार सिंह पिंटू सिंह ने गंगा एक्सप्रेस वे से सटे घनी आबादी वाले गाँव को आने जाने वाला रास्ता बंद हो गया है। उस रास्ते को खुलवाने के लिए गोपाल भइया को अवगत कराया। गोपाल भइया ने आश्वासन दिया कि जल्द ही विकल्प निकाला जाएगा। इस दौरान सभी गाँवों के प्रधान मौजूद रहे। इस दौरान विधायक विनोद सरोज, जिला पंचायत अध्यक्ष पति कुलदीप पटेल, पूर्व प्रमुख डब्बू सिंह, प्रमुखपति रामचन्द्र सरोज, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला, संजय सिंह फौजी, सुनील यादव, आदित्य मिश्र, मुदित सिंह डड़वा, कुँवर सत्येंद्र बहादुर सिंह, विजयराज यादव, मोनू बरबसपुर प्रशांत सोहगौरा गोगौर, समेत सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

झपकी आने पर दुकान में घुसी पिकअप, मची अफरातफरी

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। गैर जनपद से चूनी चोकर लादकर जा रही पिकअप के चालक को अचानक झपकी आ गई। जिससे वह सामने आ रही कार को रौंदते हुए किराना की दुकान में घुस गई। इस दौरान दुकान पर बैठे लोग बाल बाल बच गये।मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक व पिकअप को कब्जे ले लिया।

रविवार को कौशाम्बी जनपद के मंझनपुर निवासी चालक साजिद हुसैन पिकअप पर चूनी चोकर लादकर गौशाला में उतारने जा रहा था। दोपहर ढाई बजे वह जैसे ही पट्टी चिलबिला रोड स्थित कंधई थाना क्षेत्र के रखहा बाजार पंहुचा तभी चालक को झपकी आ गई जिससे वह सामने से आ रही पट्टी निवासी ब्रह्मदेव सोनी की कार को रौंदते हुए चाय की दुकान को तोड़कर निजाम अहमद की किराना की दुकान में घुस गई। गनीमत रही कि इस दौरान दुकान पर कोई भी नहीं था जिससे सभी बाल बाल बच गए।चाय की दुकान की बगल ही रखहा बाजार के मकबूल हुसैन का लड़का मन्नान हुसैन बैठा था जिसने गाड़ी अपनी ओर आते हुये देखकर रफीक अहमद की दर्जी की दुकान में भाग कर अपनी जान बचाई।इस दौरान वहां अफरा तफरी मच गई।दुर्घटना के बाद मौके पर अस्थाई पुलिस चैकी पर तैनात एसआई सुरेंद्र श्रीवास्तव व पवन यादव पुलिस कर्मियों के साथ पहुंचे तथा पिकअप व कार को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ कर रहे हैं।बाद में सीओ पट्टी मनोज रघुवंशी ने भी दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर जांच कर पिकअप व चालक को थाना भेजवा दिया।

दिव्यांगों को सशक्तीकरण व सम्मान के साथ समुचित प्रतिनिधित्व सौंपना है सच्ची सेवा : मोना

अखंड भारत संदेश

लालगंज। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि दिव्यांगों को सशक्तीकरण के जरिए सामाजिक सरोकार तथा राष्ट्रीय विकास का समुचित प्रतिनिधित्व सौपना आवश्यक है। उन्होने कहा कि दिव्यांगों को सम्मान तथा अपनत्व प्रदान करते हुए इन्हें समाज में समानता का बोध कराना ही सच्ची सेवा है। विधायक मोना ने यह बातें रानीगंज कैथौला के समीप पूरे नोहर सिंह में रविवार को आयोजित दिव्यांग सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होने कार्यक्रम में मौजूद पचास से अधिक दिव्यांगजनों को शॉल भेंट कर सम्मानित भी किया। वहीं विधायक मोना ने साहित्यकार हरि बहादुर सिंह हर्ष, रामचंद्र तिवारी आदि को भी सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया। समारोह के संयोजक रामसमुझ यादव ने विधायक आराधना मिश्रा मोना को प्रतीक चिन्ह व शॉल भेंटकर जनसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया। सम्मान समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा भी शामिल हुए। उन्होने कहा कि सेवा व संवेदना से सामाजिक ढांचे को मजबूती मिला करती है। इसके पहले विधायक मोना लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर कार्यकताओं की बैठक में शामिल हुई। यहां उन्होने एसआईआर को लेकर कार्यकताओं से कहा कि वह बूथ स्तर पर सही मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने को लेकर सजग भूमिका निभायें। उन्होने कार्यकताओं से संवाद करते हुए कहा कि भाजपा राज में कानून और व्यवस्था की हालत बद से बदतर हो उठी है। उन्होने मेरठ में दलित महिला की हत्या और उसकी बेटी के अपहरण की घटना को प्रदेश में बीजेपी के राज में कानून और व्यवस्था के लिए चुनौतीपूर्ण करार दिया। वहीं विधायक मोना ने वर्मा नगर स्थित यमुना प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की सरंक्षिका श्यामा देवी के हाल ही में निधन पर विद्यालय परिसर में पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किये। विधायक मोना ने बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन भी किया। यहां उन्होने धाम में पर्यटन से जुडी विकास परियोजनाओं का अवलोकन किया। वही लालगंज नगर पंचायत के संगम चैराहे पर पार्टी कार्यकताओं व सभासदो ने विधायक आराधना मिश्रा मोना का गर्मजोशी के साथ स्वागत भी किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, केडी मिश्र, आशीष उपाध्याय, छोटे लाल सरोज, महमूद आलम, रामबोध शुक्ल, भुवनेश्वर शुक्ल, जिपंस लल्लन सिंह, सुधाकर पाण्डेय, राकेश चतुवेर्दी, दीपू सरोज, राजू पाण्डेय, रामू मिश्र, सिंटू मिश्र, मुरलीधर तिवारी, बृजेश द्विवेदी, विकास मिश्र, शैलेन्द्र मिश्र, पन्नालाल पाल, शेरू खां, आशीष कौशल आदि रहे।

लैब टेक्नीशियन की सड़क हादसे में मौत, स्वास्थ्य विभाग में शोक की लहर

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के अमरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात लैब टेक्नीशियन सीताराम की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा सुल्तानपुर जनपद में उस समय हुआ, जब वह चीफ फार्मासिस्ट टी.पी. ओझा के साथ किसी को परीक्षा दिलाने के लिए लखनऊ गए थे और वापस लौट रहे थे।जानकारी के अनुसार, वापसी के दौरान सुल्तानपुर में उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। भीषण टक्कर में लैब टेक्नीशियन सीताराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार अन्य लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही सुल्तानपुर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।मृतक सीताराम पट्टी कस्बे में किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहते थे। उनके परिवार में पत्नी विभा विश्वकर्मा, दो बेटियां सीखा व साक्षी तथा एक बेटा शिवांश हैं। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक हरिश्चंद्र ने बताया कि अमरगढ़ सीएचसी में तैनात लैब टेक्नीशियन की सड़क दुर्घटना में मौत हुई है। वाहन में सवार अन्य लोग सुरक्षित हैं और मामले में सुल्तानपुर पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई की जा रही है।घटना से स्वास्थ्य विभाग में शोक की लहर है।

कांग्रेसियों ने एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रतापगढ़। मनरेगा बचाओं संग्राम के तहत कम्पनी बाग स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कांग्रेसियों ने एक दिवसीय उपवास रखा। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माला पहनाकर श्रद्धान्जलि अर्पित की गई। इस उपवास का नेतृत्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने किया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना को लगातार कमजोर किया जा रहा है। मजदूरों को समय से काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है, जिससे ग्रामीण गरीबों का जीवन संकट में है।मनरेगा बचाओ संग्राम के कोऑर्डिनेटर रवि भूषण सिन्हा ने कहा कि सरकार मनरेगा को समाप्त करने की साजिश कर रही है। कांग्रेस पार्टी इस साजिश के खिलाफ सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखेगी।नगर अध्यक्ष मो इस्तियाक ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं बल्कि ग्रामीण भारत की जीवनरेखा है। इसे कमजोर करना गरीब, किसान और मजदूर विरोधी सोच को दशार्ता है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर वेदान्त तिवारी, कृष्ण कुमार शुक्ल, आद्या प्रसाद द्विवेदी, नफीस खान, रामशिरोमणि वर्मा, विजय प्रताप त्रिपाठी, अभय प्रताप सिंह, मीरा देवी गौतम, विजय शंकर त्रिपाठी, मासूम हैदर, सुरेश कुमार सरोज, प्रवीण द्विवेदी, इन्द्रानंद तिवारी,मकरंद शुक्ल, सलमान खान, कृष्णा बिहारी शुक्ल, रियाज सुल्तान, शुभम मिश्र,डॉ दीपक शुक्ल, मौलान वाहिद, राजेन्द्र वर्मा, योगेश यादव, सरोज कश्यप, सुनीता सिंह पटेल, संतोष मिश्र सिंटू, चंद्रनाथ शुक्ल, डॉ स्वर्ण कमल त्रिपाठी, भवानी शंकर दूबे, अशोक सिंह, महेन्द्र भान सिंह, राकेश कुमार गौतम, मो वसीम, प्रकाश पांडेय, उमेश तिवारी, अबु शमा,विवेक पाण्डेय, बृजेश पाण्डेय, चरण सिंह यादव, हजारी लाल वर्मा, अरविंद तिवारी,मो ईदरीश,मो फरीद,हरि लाल, कृष्णा कुमार दूबे,आशा देवी, आशीष गौतम इत्यादि सैकड़ो पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्तिथ रहे।

अधिवक्ता परिषद अवध प्रांत के प्रदेश कार्यकारिणी दो दिवसीय बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। अधिवक्ता परिषद अवध प्रतापगढ़ ईकाई के संयोजकत्व में चिलबिला स्थित श्रीराम मौर्या रिसार्ट में आयोजित अधिवक्ता परिषद अवध प्रांत की प्रांतीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक रविवार को सफलता पूर्वक संपन्न हुई। बैठक में संगठन का प्रमुख लक्ष्य समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक न्याय और कानूनी सहायता पहुँचाना है,ताकि उन्हें न्याय व्यवस्था का लाभ मिल सके,क्योंकि परिषद का उद्देश्य विधि और न्याय प्रशासन में सुधार करना इसी के साथ ही एक वर्ष के कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार किया गया। बैठक में संगठन के अन्य विभिन्न आयामों पर मंथन किया गया। यह दो दिवसीय बैठक अधिवक्ता परिषद के आगामी कार्यों और संगठनात्मक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण रही हैं,जिसमें राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश राय व क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री हरि बोरिकर , क्षेत्रीय संयोजक उत्तर प्रदेश -उत्तराखंड विपिन त्यागी,अवध प्रांत की प्रांतीय महामंत्री मीनाक्षी सिंह परिहार,क्षेत्रीय आउटरीच आयाम प्रमुख अमित कुमार राय,प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय, अनिल दूबे,अरविन्द सिंह,प्रान्तीय कोषाध्यक्ष प्रेम चन्द्र राय,प्रान्तीय मंत्री रंजीता वाल्मीकि, प्रान्त कार्यालय मंत्री आशुतोष शाही, सह कार्यालय मंत्री अजय कुमार त्रिपाठी, अमर नाथ मिश्रा,अजय कुमार पाण्डेय,राष्ट्रीय परिषद की सदस्य आनन्द प्रकाश शुक्ल,त्रिवेणी दयाल सिंह, अनिल अग्रवाल,किरण बाला सिंह, उच्च न्यायालय लखनऊ इकाई अध्यक्ष दिवाकर सिंह,महामंत्री डाक्टर अमरेन्द्र नाथ त्रिपाठी वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रतापगढ़ ईकाई के जिला अध्यक्ष मनोज सिंह, जिला महामंत्री शिवेश कुमार शुक्ल, जिला उपाध्यक्ष रवि सिंह,मंत्री कुलवंत शर्मा,मंत्री विनीत शुक्ल,विजय गुप्ता,उदित गिरी, राघवेंद्र प्रताप सिंह,अतुल सिंह, आशीष सिंह,आचार्य विष्णु सहित अन्य प्रांतीय पदाधिकारी व जिला ईकाई के पदाधिकारी के साथ सहयोगीगण मौजूद रहे।

आरएसएस का विराट युवा सम्मेलन 13 को

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतापगढ़ द्वारा प्रतापगढ़ नगर के तुलसी सदन में विराट युवा सम्मेलन 13 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया है। उक्त सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर बतौर मुख्य वक्ता मौजूद रहेंगे तथा काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश की विशेष उपस्थिति रहेगी। उक्त जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह हेमंत कुमार ने देते हुए बताया कि युवा सम्मेलन दो चरणों में होगा। पहला चरण युवा विद्यार्थी सम्मेलन प्रातः10 बजे से 12 बजे तक और दूसरा चरण अपराह्न2.30 से 4.30 तक रहेगा। उन्होंने बताया कि युवाओं को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने,देश समाज के प्रति जाग्रत करने एवं अन्य संवेदनशील मुद्दों पर ध्यानाकर्षण के ध्येय से संघ शताब्दी वर्ष में युवा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। युवा ही राष्ट्र को धुरी है और वे ही समाज को गति प्रदान करने में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकते है।

निर्वाचक नामावली में नाम जाँचें, समस्या हो तो ऐप के माध्यम से करें संपर्क

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य प्रगति पर है। इस क्रम में आयोग के निर्देश के अनुपालन में निर्वाचक नामावलियों के आलेख्य का प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 को किया जा चुका है। निदेर्शों के अनुसार दिनांक 11 जनवरी 2026 को समस्त बूथ लेवल ऑफिसरों (बीएलओ) द्वारा अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहकर मतदाताओं, क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों तथा राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों के समक्ष मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया।उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाताओं से अपील की गई है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जाँच लें। यदि किसी योग्य मतदाता का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं है, तो वे निर्धारित फार्म-6 एवं अनुलग्नक-4 घोषणा पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

महिला व बालिका सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पट्टी। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर जिले में चल रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत रविवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम ने कस्बा पट्टी में भ्रमण कर महिलाओं व बालिकाओं को महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति या परेशानी में वे वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102ध108 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल संपर्क कर सकती हैं।इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को नए आपराधिक कानूनों की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों से अवगत कराया गया। टीम द्वारा उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना भय अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान महिलाओं की समस्याओं को भी सुना गया और उनसे संवाद स्थापित किया गया। उपुलिस प्रशासन ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वावलंबी, सुरक्षित और जागरूक बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वे समाज में बिना किसी डर के आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकें।

सत्संग में जा रहे बाइक सवारों को कंटेनर ने मारी टक्कर एक की मौत एक घायल

अखंड भारत संदेश

पुलिस ने नाकेबंदी कर कंटेनर को चालक समेत कल्याणपुर से पकड़कर अपने कब्जे में ले लिया

कोखराज कौशांबी। निरंकारी मिशन के मिशनरी के सत्संग में शामिल होने गए बाइक सवार लोग रविवार को सत्संग में जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार कोखराज थाना क्षेत्र के चौराहे के पास पहुंचे तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार दोनों लोग जमीन पर गिर पड़े एक अधेड़ को कंटेनर ने कुचल दिया है उसके ऊपर से वाहन निकल गया इससे अधेड़ की घटना स्थल पर तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है दूसरे व्यक्ति को हल्की चोट आई हैं दुर्घटना देखकर मौके पर तमाम लोगों की भीड़ लग गई मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई घटना स्थल पर पहुंची थाना पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल दूसरे व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया था पुलिस ने नाकेबंदी कर कंटेनर को चालक समेत कल्यानपुर से पकड़ कर अपने कब्जे में ले लिया है घटना की जानकारी मिलते ही रोते बिलखते परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक प्रतापगढ़ जनपद के हथगावा थाना क्षेत्र के पूर्ण मऊ गांव निवासी हरिश्चंद्र उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र बच्चू लाल दिवाकर अपने साथी बुद्ध राम के साथ बाइक से कौशांबी जनपद में होने वाले ईसाई धर्म के मिशनरी के सत्संग में शामिल होने गए थे मिशनरी के सत्संग में शामिल होने के लिए बाइक सवार दोनों लोग रविवार को अपने घर हथगावा थाना क्षेत्र से आ रहे थे जैसे ही बाइक सवार कोखराज थाना क्षेत्र के चौराहे के पास पहुंचे तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनों लोग बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े हैं इस दुर्घटना में पीछे बैठे हरिश्चंद्र को कंटेनर चालक ने कुचल दिया है जिससे उनकी बड़ी वीभत्स मौत हो गई है दूसरा साथी घायल हो गया है दुर्घटना के बाद कंटेनर समेत चालक मौके से फरार हो गया है जिसके बाद में पुलिस ने कल्यानपुर से गिरफ्तार कर लिया है दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है।

अनियंत्रित डीसीएम चालक डिवाइडर में भिड़ा डीसीएम क्षतिग्रस्त,बाल बाल बचा चालक

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा हाइवे पर आज शाम एक डीसीएम चालक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से भिड़ गया घटनाक्रम के मुताबिक फतेहपुर के चौडगरा निवासी विजय सिंह पुत्र विशंभर सिंह डीसीएम में कानपुर के रनिया से अंग्रेजी शराब लोड कर गोपीगंज जा रहा था चालक ज्योंहि सैनी कोतवाली के अझुवा कस्बे के पास पहुंचा तभी डीसीएम अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई इस दौरान डीसीएम के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन पलटने से बच गया जिससे चालक बाल बाल बच गया मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची चौकी पुलिस ने हाईवे से क्षतिग्रस्त वाहन को सुरक्षित जगह खड़ा करवा कर यातायात बहाल कराया,ड्राइवर को अपने हिरासत में लिया ड्राइवर नशे से टुन्न दिखाई दिया है।चौकी पुलिस ने मामले की सूचना आबकारी के जिम्मेदारों को दिया है।

दर्जनों चौकी प्रभारियों को एसपी ने इधर से उधर किया, कई दरोगा लाइन हाजिर

अखंड भारत संदेश

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल एसपी राजेश कुमार ने दिए निर्देश

कौशाम्बी। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने रविवार की आधी रात को पुलिस विभाग में बड़ा ट्रांसफर किया है एसपी ने जिले के दजर्नों पुलिस चौकी प्रभारियों का स्थानांतरण कर दिया है जबकि लापरवाही और खराब प्रदर्शन की जद में आए कई उप-निरीक्षकों को थानों से हटाकर पुलिस लाइन का रास्ता दिखा दिया गया है।आधी रात को जारी हुई सूची से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया बीती रात एसपी कार्यालय से जारी हुई तबादला सूची के बाद जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया प्रशासनिक फेरबदल के तहत कई महत्वपूर्ण पुलिस चौकियों की कमान बदली गई है लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे और जन शिकायतों के घेरे में रहने वाले उप-निरीक्षकों पर एसपी का चाबुक चला है माना जा रहा है कि यह कार्रवाई जिले में पुलिसिंग को बेहतर बनाने और अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से की गई है। एसपी राजेश कुमार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कार्य में शिथिलता और अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिन दरोगाओं को पुलिस लाइन भेजा गया है उनकी जगह तेज तर्रार और युवा चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है जनहित और प्रशासनिक आवश्यकता को देखते हुए यह तबादले किए गए हैं सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने नए कार्यक्षेत्र में तत्काल प्रभाव से कायभार संभालें और जनसुनवाई को प्राथमिकता दें।

राष्ट्रीय युवा दिवस की पूर्व संध्या पर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने चलाया प्लास्टिक मुक्त अभियान

कौशांबी। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस की पूर्व संध्या पर 11 जनवरी को विकासार्थ विद्यार्थी द्वारा प्रत्येक रविवार को होने वाले स्वछता अभियान के निमित्त रविवार को अभाविप मंझनपुर नगर के कार्यकर्ताओं ने डायट मैदान में प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाकर परिसर में बिखरे प्लास्टिक को इकट्ठा करके उसे नष्ट किया । नगर मंत्री दीपक राजपूत ने बताया यह अभियान पिछले डेढ़ वर्षों से नगर में सण्डे फॉर मंझनपुर के नाम से चलाया जा रहा है । विद्यार्थी परिषद नगर में निवास करने वाले युवाओं , विद्यार्थीयों से सप्ताह के रविवार के दिन का एक घण्टे का समय समाज हित में कार्य करने के लिए मांगा है । इस अभियान मे विद्यार्थी बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे हैं। विद्यार्थी परिषद इस राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नगर के प्रत्येक युवाओं एवं सभी नागरिकों से आग्रह करती है । की सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें । सामान खरीदने हेतु कपड़े के थैले ,टोकरी इत्यादि का प्रयोग करें । प्लास्टिक दिन पर दिन मानव जीवन के लिए खतरनाक साबित हो रहा है । जिला संयोजक शिवांशु शुक्ला ने बताया नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भी सिंगल यूज प्लास्टिक को बन्दने, छापा मारने इत्यादि विषय पर कोई ठोस कायवीही नहीं की जा रही है । अधिशासी अधिकारी के सारे दावे खोखले नजर आ रहे हैं । अगर कभीं लोकहित के मुद्दे पर विद्यार्थी परिषद कुछ मांग करती है तो इससे बचने के लिए नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा पलटवार करते हुवे संगठन के प्रति गलत दुष्प्रचार किया जा रहा है । जहां देखा जाय वहां नगर में पॉलिथिन के अम्बार दिख रहे हैं। इसको रोका जाना आवश्यक है । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद निःस्वार्थ भाव से 1949 से छात्र हित, समाज हित,राष्ट्र हित में कार्य करती चली आ रही है। विद्यार्थी परिषद कोई व्यक्ति नहीं एक विचार है। उधर टेवां नगर के कार्यकर्ताओं ने भी सण्डे फॉर सोसाइटी के अन्तर्गत महेश बाबा मंदिर प्रांगण की सफाई किया। इस दौरान जिला संगठन मंत्री अश्वनी कुमार सिंह, जिला संयोजक शिवांशु शुक्ला ,नगर सह मंत्री कार्तिकेय गौतम,अनिरुद्ध गौतम ,कृष्णा श्रीवास्तव, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य गौरव मिश्रा ,नगर मंत्री अमित द्विवेदी ,नगर सह मंत्री आयुष सिंह, वंश सिंह, फार्मेसी कालेज के अध्यक्ष मनीष नामदेव सहित विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनरेगा बचाओ अभियान के लिए नगर पंचायत चरवा में रखा गया उपवास

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नगर पंचायत चरवा में रविवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में रमनरेगा बचाओ संग्राम के अंतर्गत एक दिवसीय उपवास का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस दौरान जोनल कॉडिनेंटर व चायल से पूर्व विधायक विजय प्रकाश भी मौजूद रहे उपवास कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि वतर्मान भाजपा सरकार मनरेगा का नाम ही नहीं बल्कि इस योजना को धीरे धीरे खत्म कर रही है कांग्रेस पाटी ने इस योजना को लागू किया था लेकिन वतर्मान भाजपा सरकार जैसे पूर्व में केवल नाम बदलने का काम किया वैसे ही इस योजना का नाम भी बदल कर लोगों को भ्रमित कर रही है जिससे जनता अपने मूल मुद्दों से भटकी रहे.! इसके बाद पूर्व विधायक व जोनल कॉडिनेंटर विजय प्रकाश ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण भारत में गरीब और कमजोर वर्गों के लिए रकाम के अधिकार की गारंटी देता है और ग्रामीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है। और इस योजना को बचाना हम कांग्रेसजनों की जिम्मेदारी है जिसका हम सभी पूर्ण रूप से निर्वाहन करेंगे! तत्पश्चात जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास ने कहा कि मनरेगा बचाओ अभियान इस योजना को बचाने के लिए हम सभी गांव गांव जाकर मनरेगा के अंतर्गत मजदूरों को यह बताएंगे कि कैसे भाजपा सरकार पहले नाम और उसके बाद इस योजना को खत्म कर देंगी लेकिन हम सभी ऐसा कभी नहीं होने देंगे.! कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष नैय्यर रिजवी ने किया !कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय बाबू जी महासचिव सुरेंद्र शुक्ला, महेंद्र मिश्रा, ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव, नगर अध्यक्ष करारी शकील अब्बास, मोहम्मद बेलाल, सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, अशोक पाण्डेय (सभासद) कार्यालय प्रभारी हेमन्त रावत, प्रवीण पाण्डेय, इंद्रपाल गौतम,अमृतलाल पूर्व प्रधान छोटेलाल रामदास रही, बीफई लाल, नथन लाल बड़का रैदास, नथई, बुद्धन रैदास राकेशपाल, समर सरोज, सुरेंद्र सरोज, दीपक यादव , अमर पाल दीपक शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग रहे।

न्यूज झरोखा

36 स्वास्थ्य केंद्रों पर आरोग्य स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

कौशांबी। जिले में 33 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा 3 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं लखनऊ के निर्देश के अनुसार आरोग्य स्वास्थ्य मेले को सफल बनाने के लिए नोडल अधिकारी तथा अपर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारियों सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो मे आरोग्य स्वास्थ्य मेले के निरीक्षण हेतु जिम्मेदारी दी गयी इस क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संजय कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद, सेलरहा पश्चिम एवं मंझनपुर का निरीक्षण किया मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संजय कुमार ने अवगत कराया कि समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रत्येक रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। अब मुख्यमंत्री आरोग्य मेला के आयोजन में ब्लॉक स्तरीय अधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ-साथ अन्य अधिकारियों एवं कमर्चारियों द्वारा भी पयर्वेक्षण एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है। पयर्वेक्षण करने वाले समस्त अधिकारी द्वारा राज्य स्तर से प्राप्त गूगल ऐप पर अपनी रिपोर्ट तथा फोटो भी भेजा जा रहा है रविवार को आयोजित होने वाले आरोग्य मेला का आशाओं, एएनएम के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार भी कराया जा रहा है जिससे कि आम लोगों को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। जनपद में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 53 चिकित्साधिकारी व 149 पैरामेडिकल कमर्चारियों की ड्यूटी लगायी गयी थी आरोग्य स्वास्थ्य मेले में विभिन्न रोगो से ग्रसित कुल 1315 मरीज पंजीकृत हुए एवं चिकित्सको द्वारा उपचार किया गया तथा 18 मरीजों को मेडिकल कॉलेज जिला संयुक्त चिकित्सालय मंझनपुर कौशाम्बी संदर्भित किया गया साथ ही मेले में कुल 69 गोल्डेन कार्ड भी बनाये गये।

महिला पुल के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, कई घायल, एक की हालत गंभीर

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के कौशाम्बी थाना अंतर्गत महिला पुल के पास रविवार शाम करीब 5:30 बजे दो मोटरसाइकिलों में जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में दोनों बाइकों पर सवार कई लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल संख्या वढ 70 इर 3166 पर सवार कन्हैया प्रजापति उम्र लगभग 50 वर्ष,पुत्र कल्लू वा रामचंद्र पुत्र राम कुंवारे, निवासी जाठी थाना व जनपद कौशाम्बी, रामचंद्र पुत्र सरदार,निवासी ढोकसाहा थाना व जनपद कौशाम्बी को काफी चोटें आई हैं। इनमें कन्हैया प्रजापति की स्थिति गंभीर बनी हुई है।वही दूसरी मोटरसाइकिल संख्या वढ 96 ख 1595 पर सवार हसनैन उम्र लगभग 35 वर्ष,पुत्र रहमतुल्लाह वा रहमतुल्लाह उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र मोहसिन,निवासीगण अम्बेडकर नगर, थाना मऊ, जनपद चित्रकूट भी हादसे में घायल हुए हैं।हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर मानिकपुर विधायक प्रतिनिधि विकास द्विवेदी (पिंटू द्विवेदी) ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू कराया। साथ ही कौशाम्बी थाना के उपनिरीक्षक भोलानाथ यादव, गुरौली चौकी प्रभारी विजय कुमार मौर्या, सिपाही योगेन्द्र सिंह तथा 100 नंबर वाहन पर तैनात सिपाही पंकज तत्काल मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाने में अहम भूमिका निभाई। सभी घायलों को उपचार हेतु सीएचसी मऊ जनपद चित्रकूट एवं सीएचसी बारा में भती कराया गया है।घटना के बाद मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है तथा यातायात पूरी तरह सुचारु रूप से चल रहा है। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ढाबा मालिकों की राष्ट्रीय राजमार्ग बनी जागीर

अखंड भारत संदेश

आए दिन हो रही मौत

वर्तमान में फिर राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग 30 किलोमीटर का दायरा ट्रकों की पार्किंग स्थल बन कर रह गया है

टेढ़ीमोड़ कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी गंगा नदी के पुल से लेकर के सैनी कोतवाली क्षेत्र के कनवार तक राष्ट्रीय राजमार्ग ढाबा संचालकों के बाप की जागीर बन गई है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं निर्दोष की मौत होती है लेकिन ढाबा संचालकों से फ्री में रोटी मिलने के चलते थाना पुलिस ढाबा संचालकों के इस गंभीर गुनाह पर कायवाही नहीं करती है जिससे बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे पड़ने वाले ढाबा संचालकों के पास खुद की पार्किंग स्थल ना होने के चलते उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग की पटरी और डामर सड़क को पार्किंग स्थल बना दिया है ढाबा संचालकों के कमर्चारी खड़े होकर के ढाबा में रुकने वाले ट्रकों को सड़क और पटरी पर पार्किंग कराते हैं और उसके बाद सड़क पर वाहनों को पार्किंग करने के बाद ट्रक चालक कई घंटे ढाबे में चाय नाश्ता भोजन करते हैं यहां तक की नींद आने पर ढाबे में वह आराम भी करते हैं और उनकी ट्रक सड़कों पर कई घंटे खड़ी रहती हैं जब सड़क पर दो वाहन एक साथ गुजरते हैं तो ढाबे के बाहर खड़े यह वाहन दुर्घटना का कारण बनते हैं पूर्व पुलिस अधीक्षक के कायकाल में ढाबा संचालकों के कायकाल को उजागर किया गया था जिस पर पुलिस कप्तान के निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग को 50 प्रतिशत तक खाली कराया गया था हालांकि उस समय भी 50 प्रतिशत राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन खड़े होते थे लेकिन कुछ राहत हो गई थी लेकिन पूर्व पुलिस अधीक्षक के जाने के बाद कोखराज और सैनी कोतवाल और उनके सिपाही फिर बेलगाम हो गए हैं और ढाबा संचालकों पर थाना पुलिस की फिर मेहरबानी बन गई है वतर्मान में फिर राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग 30 किलोमीटर का दायरा ट्रकों की पार्किंग स्थल बन कर रह गया है जिससे दुर्घटनाएं होती हैं मौत होती हैं परिवार बर्बाद होते हैं लेकिन उसके बाद इन ढाबा संचालकों पर सड़क कब्जा करवाने की आड़ में मुकदमा दर्ज करके इन ढाबा संचालकों की गिरफ्तारी नहीं की गई है जब तक ढाबा में खड़े होने वाले ट्रक चालकों पर कठोर कारवाई नहीं होगी उनके वाहनों का चालान जुर्माना नहीं होगा और ढाबा संचालकों पर कारवाई नहीं होगी तब तक राष्ट्रीय राजमार्ग को पार्किंग स्थल बनाकर सड़क पर ट्रक खड़ी होगी और निर्दोष लोगों की मौत होगी आखिर निर्दोष लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन है जनता इसका जवाब डीएम एसपी से चाहती है।

बीएलओ ने मतदेय स्थलों पर निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर सुनाया

अखंड भारत संदेश

अपील की गई कि अर्ह मतदाताओं के फार्म-6 भरवाने में सहयोग किया जाय

कौशांबी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत आज जनपद के तीनों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (251-सिराथू, 252-मंझनपुर एवं 253-चायल) के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेविल अधिकारियों द्वारा ग्राम सभाओं/शहरी स्थानीय निकाय के वार्ड कमेटी के सदस्यों/नागरिकों की बैठक आहूत करते हुए आलेख्य रूप से प्रकाशित की गयी निर्वाचक नामावलियों को पढ़कर समस्त उपस्थित सदस्यों को सुनाया गया एवं सभी से अपील की गयी कि दिनांक 01.01.2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी अर्ह मतदाताओं के नाम सम्मलित कराने के लिए फार्म-6 प्राप्त किये जा रहे है सभी से अपील की गई कि अर्ह मतदाताओं के फार्म-6 अधिक से अधिक मात्रा में भरवाने में सहयोग करें। आज जनपद के विधान सभा क्षेत्र 251-सिराथू मे 512, 252-मंझनपुर में 538 एवं 253-चायल में 492 फार्म-6 प्राप्त किये गये है।जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा सम्बन्धित क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा सम्बन्धित मतदेय स्थलों पर बी.एल.ओ. द्वारा आयोजित किये जा रहे बैठको का निरीक्षण किया गया।

एसपी के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों, चौकियों एवं कार्यालयों में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में दिनांक 11.01.2026 रविवार को जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं कार्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिसकमिर्यों ने अत्यंत उत्साह के साथ श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार मालखाना हवालात और आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की। अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस कार्यस्थल पर स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण सुनिश्चित करना तथा कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर स्वच्छता का संदेश देना है। इस अवसर पर समस्त पुलिसकमिर्यों द्वारा स्वच्छता ही सेवा के भाव को आत्मसात करते हुए प्रतिदिन अपने आसपास सफाई बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण में कार्य करने का संकल्प लिया गया। साथ ही पुलिस द्वारा आम जनमानस को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है, अतः सभी परिसर सदैव सुव्यवस्थित रखे जाएं।यह स्वच्छता अभियान भविष्य में भी प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि पुलिस कार्यालयों में एक आदर्श वातावरण बना रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जनपद में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कौशांबी। जिले में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की पुलिस टीम द्वारा आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान लोगों को बिना हेलमेट व बिना सीट बेल्ट वाहन न चलाने, शराब पीकर वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायल व्यक्ति को तत्काल उचित उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल पहुँचाने तथा 108 एम्बुलेंस सेवा की सहायता लेने के बारे में बताया गया। साथ ही थाना कड़ाधाम व थाना मोहब्बतपुर पइसा की पुलिस टीम द्वारा उपस्थित लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई गई।

जिला पंचायत प्रतिनिधि ने विपक्षियों पर लगाया गाली गलौच व धमकी का आरोप

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ने विपक्षियों पर चुनावी रंजिश को लेकर गाली गलौच कर धमकी का आरोप लगाते हुए सैनी कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है, पीड़ित की शिकायत पर सैनी पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। सैनी कोतवाली क्षेत्र के गुलामीपुर निवासी राजीव मौर्य पुत्र गुरु चरन ने रविवार को सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि हैं, राजीव मौर्य ने दिए गए शिकायती पत्र के हवाले से बताया कि गुलामीपुर में स्थित उसके विद्यालय के समीप महुवा का पेड़ है जिसकी डाल विद्यालय के छत पर रखी थी , आंधी तूफान के कारण विद्यालय की छत क्षतिग्रस्त न होने के कारण डाल को काट दिया गया। राजीव मौर्य का आरोप है कि जिसको लेकर विपक्षियों ने चुनावी रंजिश रखते हुए विद्यालय में गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने लगे, पीड़ित की शिकायत पर सैनी पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। दोनों ने सैनी थाना पहुंचकर लिखित शिकायत किया है जिसमे इंस्पेक्टर धर्मेंद सिंह से बातचीत किया गया है तो उन्होंने बताया कि तहरीर दोनों तरफ से मिली है जांच पड़ताल पुलिस कर रही है।

उत्तर प्रदेश में बौद्ध पर्यटन को गति, कौशांबी में बुद्ध थीम पार्क के विकास ने पकड़ी रफ्तार

अखंड भारत संदेश

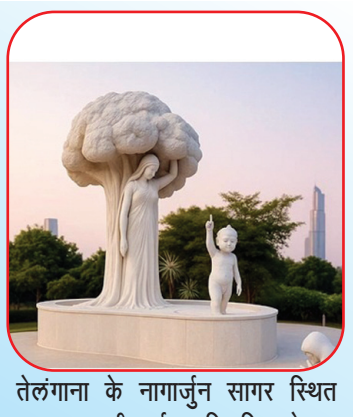

तेलंगाना के नागार्जुन सागर स्थित 'बुद्धवनम' की तर्ज पर विकसित हो रहा 'बुद्धचरित वनम'

22.93 करोड़ रुपए की लागत से 11 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित हो रहा थीम पार्क

एशिया के प्रतिष्ठित स्तूपों की प्रतिकृतियां होंगी आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र

बुद्ध थीम पार्क से कौशांबी की ऐतिहासिक पहचान को मिलेगा वैश्विक विस्तार- जयवीर सिंह

कौशांबी। जिले की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाई देने की दिशा में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग महत्वाकांक्षी परियोजना को मूर्त रूप दे रहा है। कोसम इनाम गांव में निर्माणाधीन बुद्ध थीम पार्क को तेजी से विकसित किया जा रहा है, जहां भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन और करुणा संदेश को कलात्मक मूर्तियों के माध्यम से दर्शाया जाएगा। यह थीम पार्क करीब 11 हेक्टेयर क्षेत्र में 22.93 करोड़ रुपए की लागत से आकार ले रहा है, जिसे मौजूदा वर्ष के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी मंत्री ने बताया कि 'सरकार की परिकल्पना के अनुसार यह पार्क देश-विदेश से आने वाले बौद्ध अनुयायियों और पर्यटकों के लिए एक विशिष्ट आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल कौशांबी को वैश्विक बौद्ध पर्यटन सर्किट में सशक्त स्थान दिलाएगी, बल्कि क्षेत्रीय पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

बुद्धचरित वनम' होगा मुख्य आकर्षण

जिले में निर्माणाधीन बुद्ध थीम पार्क को तेलंगाना के नागार्जुन सागर स्थित 'बुद्धवनम' की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इस थीम पार्क में ध्यान एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ी अनेक सुविधाएं प्रस्तावित हैं। पार्क में विभिन्न 'मुद्राओं' जैसे- धर्मचक्र मुद्रा, अभय मुद्रा, भूमिस्पर्श मुद्रा आदि पर आधारित एक ध्यान केंद्र स्थापित किया जाएगा। परियोजना का प्रमुख आकर्षण 'बुद्धचरित वनम' होगा, जिसमें भगवान बुद्ध की जीवन यात्रा (जन्म से महापरिनिर्वाण तक) को मूर्तियों के माध्यम से दर्शाया जाएगा।

विभिन्न देशों के स्तूपों की प्रतिकृतियां होंगी स्थापित

इसके अलावा, विकसित की जा रही जातक म्यूरल गैलरी, ध्यान वनम और स्तूप गैलरी जैसे विशिष्ट जोन आगंतुकों को भगवान बुद्ध के जीवन-दर्शन से आत्मिक रूप से जोड़ेंगे। विशेष रूप से स्तूप गैलरी में श्रीलंका, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान सहित विभिन्न देशों के 13 प्रतिष्ठित स्तूपों की प्रतिकृतियों के साथ-साथ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख बौद्ध स्थलों का प्रतिनिधित्व किया जाएगा, जिससे यह परिसर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक समग्र सांस्कृतिक-आध्यात्मिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

बौद्ध धर्म में कौशांबी क्यों महत्वपूर्ण?

उत्तर प्रदेश में भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों में कौशांबी महत्वपूर्ण है। तथागत ने यहां छठा और नौवां वर्षावास व्यतीत किया था। इन्ही कालखंडों में बुद्ध ने कई उपदेश दिए, जिससे इस क्षेत्र में बौद्ध दर्शन का व्यापक प्रसार हुआ। समय के साथ कौशांबी आध्यात्मिक शिक्षा का एक सशक्त केंद्र बना। यह परंपरा आज भी जारी है।

बौद्ध सर्किट से जुड़े स्थलों का विकास प्राथमिकता'

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट में कौशांबी का विशिष्ट स्थान है। यहां बौद्ध धर्म के अलावा इतिहासकार, शोधार्थी और अन्य धर्मों से जुड़े पर्यटकों का निरंतर आगमन होता है। वर्ष 2025 के जनवरी से सितंबर के बीच जनपद में कुल 23.19 लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया, जिनमें 2,884 विदेशी शामिल हैं। विभाग द्वारा बुद्ध सर्किट से जुड़े स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं का लगातार विकास किया जा रहा है, जिसका सकारात्मक असर दिख रहा है। बुद्ध थीम पार्क जैसी परियोजनाएं न केवल प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों का संरक्षण करती हैं, बल्कि भगवान बुद्ध के संदेश और ज्ञान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में भी सहायक होंगी।'

आगंतुकों को मिले विशिष्ट पर्यटन अनुभव- प्रमुख सचिव

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि 'कौशांबी का बुद्ध थीम पार्क विरासत संरक्षण और उच्च गुणवत्ता वाले पर्यटन अधोसंरचना के समन्वय का एक सशक्त उदाहरण है। भगवान बुद्ध से कौशांबी का गहरा संबंध रहा है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय महत्व का स्थल बनाता है। विकास कार्यों में गुणवत्ता और प्रामाणिकता का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि दुनियाभर के आगंतुकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर पर्यटन अनुभव प्राप्त हो।

सम्पादकीय

अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा

नेशनल मेडिकल कमीशन ने मंगलवार देर रात जम्मू-कश्मीर के रियासी में स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की मान्यता रद्द कर दी। इस खबर को पढ़ते ही शौक बहराइची का मशहूर शेर याद आ गया कि-

बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी था।
हर शाख पे उल्लू बैठा है अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा।।

देश में पहले से अच्छे उच्च शिक्षा संस्थानों की भारी कमी है। धार्मिक स्थलों के निर्माण, सौंदर्यीकरण, रख-रखाव पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, सरकार में बैठे लोगों का रोजमर्रा का खर्च लाखों में होता है, फिजूल के प्रचार कार्यक्रमों में करोड़ों रुपए खर्च कर दिए जाते हैं, लेकिन जब उच्च कोटि के अस्पतालों और शिक्षा संस्थानों के निर्माण और उन्नयन की बारी आती है तो सरकार के पास धन की कमी दिखाई जाती है। छात्रों को पढ़ने और शोध कार्यों के लिए आसानी से धन मुहैया कराने की जगह सरकार का ध्यान शिलान्यासों और हरी झंडी दिखाने में लगा रहता है। ऐसे में एक मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द कर देना ऐसा फैसला है, जिस पर सिर ही पीटा जा सकता है।

मान्यता रद्द करने के पीछे मानकों का पालन न होने को कारण बताया जा रहा है। लेकिन असल मुद्दा यही है कि पिछले काफी वक्त से इस मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों को मिले दाखिले पर हिंदू संगठन आपत्ति जता रहे थे और इसके लिए बाकायदा संघर्ष समिति बनाकर आंदोलन किया जा रहा था। दरअसल इस मेडिकल कॉलेज के पहले एमबीबीएस बैच के 50 छात्रों में से 42 मुस्लिम, एक सिख और केवल 8 हिंदू छात्र जम्मू क्षेत्र से होने की जानकारी सामने आई थी। अधिकतर छात्र कश्मीर से थे। इसी पर हिंदूवादी संगठन हंगामा मचा रहे थे कि जब मेडिकल कॉलेज हिंदुओं के दिए दान से चल रहा है, तो उसमें मुस्लिम छात्रों को दाखिला क्यों दिया जा रहा है। आंदोलनकारी बाकायदा कॉलेज को बंद करने की मांग ही कर रहे थे। जो अब शायद मानकों के बहाने से पूरी कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस फैसले पर निराश होते हुए कहा है कि उन बच्चों ने मेहनत करके सीट हासिल की है, यह किसी का उन पर एहसान नहीं है- न मेरा, न यूनिवर्सिटी का। उन्होंने परीक्षा पास करके सीट प्राप्त की है। अब अगर आप उन्हें वहां नहीं पढ़ाना चाहते, तो कहीं और उनका इंतजाम कीजिए। वे किसी के एहसान पर नहीं आए हैं। वहीं महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बीमारी का इलाज करने के बजाय, मरीज को बिना किसी गलती के दंडित किया जा रहा है। अधिक चिंताजनक बात यह है कि यदि एसएमवीडी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो इसे अन्य जगहों पर भी दोहराया जा सकता है, जिससे मेहनती युवाओं का भविष्य गंभीर खतरे में पड़ जाएगा। गौरतलब है कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने एसएमवीडी से एमबीबीएस कोर्स चलाने की इजाजत वाले आदेश को वापस ले लिया है। इसके बाद से ही छात्र और उनके शिक्षक चिंतित हैं।

भूख से मुक्ति का राष्ट्रीय संकल्प है अटल कैंटीन योजना

-ललित गर्ग-

भूख केवल एक शारीरिक पीड़ा नहीं है, वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक कुंठा और नैतिक विचलन की जननी भी है। इतिहास साक्षी है कि जब पेट खाली होता है, तो विचार उग्र हो जाते हैं, व्यवस्था के प्रति विश्वास डगमगाने लगता है और विद्रोह की भावना पनपती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे पहली जिम्मेदारी यह होती है कि उसका कोई भी नागरिक भूखा न रहे। इसी बुनियादी और मानवीय सोच के साथ दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा शुरू की गई रुपये 5 में भोजन उपलब्ध कराने की ह्यअटल कैंटीन योजनाह्ण निस्संदेह एक दूरदर्शी, करुणामय, मानवीय और जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और मानवीय है कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। राजधानी जैसे महानगर में, जहाँ एक ओर समृद्धि और चमक-दमक है, वहीं दूसरी ओर असंगठित श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शाचालक, ठेला-पटरी वाले, घरेलू कामगार और बेघर लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं।

इनके लिए दो वक्त का सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन आज भी एक चुनौती बना हुआ है। अटल कैंटीन योजना इन्हीं वर्गों के लिए जीवनरेखा बनकर सामने आई है, जो ह्यसंकल्प से सिद्धिह्ण के लक्ष्य को दशार्ता है और इसे देश में भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस योजना का शुभारंभ भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर किया जाना केवल एक औपचारिक तिथि चयन नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। अटलजी का संपूर्ण राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन अंत्योदय अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार से प्रेरित रहा। वर्ष 2000 में शुरू की गई अंत्योदय अन्न योजना ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अटलजी के लिए गरीब केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति का केंद्र था। उस योजना के अंतर्गत अत्यंत गरीब परिवारों को रियायती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया गया, जिससे करोड़ों लोगों को भुखमरी से राहत मिली। अटल कैंटीन योजना उसी सोच का आधुनिक शहरी संस्करण है, जहाँ अनाज के बजाय तैयार, पौष्टिक और स्वच्छ भोजन सीधे थाली में परोसा जा रहा है।

यह नीतिगत निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील क्रियान्वयन से साकार होता है। अटल कैंटीन में भोजन की कीमत रुपये 5 रखी गई है, जबकि सरकार प्रत्येक थाली पर रुपये 25 की सब्सिडी दे रही है। यह मूल्य निर्धारण अत्यंत सोच-समझकर किया गया है। भोजन पूरी तरह मुफ्त न देकर एक न्यूनतम राशि तय करने का उद्देश्य यह है कि भोजन की कद्र बनी रहे और लाभार्थी इसे भीख नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान के रूप में ग्रहण करे। यह नीति सामाजिक मनोविज्ञान को समझने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रेखा गुप्ता सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए जिस संवेदनशीलता, निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है, वह उनके प्रभावी राजनीतिक नेतृत्व को रेखांकित करता है; अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ बताती हैं कि वे शासन को सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम मानती हैं। किंतु सर्दी के इस कठोर मौसम में दिल्ली की सड़कों, फुटपाथों और फ्लाईओवरों के नीचे ठिठुरती रातें काटने को विवश गरीब और बेघर लोगों के लिए केवल मौसमी रैन-बसेरे पर्याप्त नहीं हैं, आवश्यकता एक स्थायी, समन्वित और मानवीय शीत-रक्षा योजना की है, जिसमें अस्थायी आश्रय के साथ गरम वस्त्र, पौष्टिक भोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा और पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था हो, ताकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी की सड़कों पर कोई भी व्यक्ति सर्द रात में बेसहारा और अदृश्य न रहे; ऐसा कदम न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रमाण होगा, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक जिम्मेदारी का भी सशक्त निर्वाह बनेगा। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि उपलब्ध कराया जा रहा भोजन पोषण मानकों के अनुरूप है। भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई मानकों का पालन किया जाता है, जिसमें प्रति थाली 700-800 कैलोरी और 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है। डिजिटल टोकन, सीसीटीवी और निगरानी के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती है। प्रत्येक कैंटीन प्रतिदिन लगभग 1000 लोगों को भोजन परोसने की क्षमता रखी है, और 100 कैंटीन खोलने का लक्ष्य है। दाल, सब्जी, रोटी/चावल जैसे संतुलित आहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें आरओ वाटर एवं अचार आदि भी परोसा जा रहा है ताकि यह योजना केवल पेट भरने तक सीमित न रहकर स्वास्थ्य सुधार में भी योगदान दे सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा गरीबों और निम्न आय वर्ग के लिए मुफ्त एवं रियायती अनाज योजनाएँ लगातार संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी पहलों ने संकट काल में करोड़ों परिवारों को राहत दी है। इन योजनाओं का मूल दर्शन यही है कि भूखा नागरिक न आत्मनिर्भर बन सकता है और न ही राष्ट्रनिर्माण में भागीदार। रेखा गुप्ता सरकार की अटल कैंटीन योजना इन राष्ट्रीय प्रयासों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। यह दशार्ती है कि केंद्र और राज्य, यदि समान मानवीय दृष्टि से काम करें, तो सामाजिक समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से संभव है। समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र दोनों ही इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भुखमरी और अपराध के बीच गहरा संबंध होता है। जब व्यक्ति की मूल आवश्यकताएँ पूरी नहीं होतीं, तो वह व्यवस्था के प्रति विद्रोही दृष्टिकोण अपनाने लगता है। यही कारण है कि अनेक महान नेताओं ने यह कहा है कि गरीब को पहले रोटी दो, उपदेश बाद में।

भूखे को खिलाना किसी प्रकार का राजनीतिक प्रलोभन नहीं है। यह सच्ची राष्ट्रभक्ति, मानवीय कर्तव्य और सामाजिक सुरक्षा का आधार है। अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ अपराध को नियंत्रित करने, सामाजिक असंतोष को कम करने और लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करने का कार्य करती हैं। हालाँकि, किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसकी घोषणा से नहीं, बल्कि उसके पारदर्शी, निगरानी और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। यह अत्यंत आवश्यक है कि अटल कैंटीन योजना को भ्रष्टाचार, अपव्यय और लापरवाही से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। खाद्य सामग्री की खरीद, भोजन की गुणवत्ता, लाभार्थियों की पहुँच, वित्तीय प्रबंधन और संचालन व्यवस्था-हर स्तर पर सख्त निगरानी, नियमित ऑडिट और सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इस योजना में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार प्रवेश करता है, तो वह न केवल सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होगा, बल्कि गरीब के विश्वास के साथ भी विश्वासघात होगा।

दिल्ली की यह पहल देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है। शहरीकरण के इस दौर में लगभग हर बड़े शहर में श्रमिक और निम्न आय वर्ग भोजन संकट से जूझ रहा है। यदि प्रत्येक राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार ऐसी योजनाएँ विकसित करे, तो देश से भुखमरी को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऐसी योजनाएँ खर्च नहीं, बल्कि सामाजिक निवेश हैं।

यह निवेश समाज को स्थिरता, शांति और विश्वास लौटाता है। अंततः रुपये 5 की थाली केवल भोजन नहीं है। यह करुणा, गरिमा और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति है। यह अटल बिहारी वाजपेयी की अंत्योदय सोच और नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व की मानवीय दृष्टि का सार्थक संगम है। रेखा गुप्ता सरकार की यह पहल यह संदेश देती है कि सुशासन वही है, जो सबसे पहले सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचे। यदि इस योजना को पारदर्शिता, ईमानदारी और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया गया, तो यह न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश के लिए भूख-मुक्त भारत की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध होगी।

शेरपुर क्षेत्र में प्रस्तावित कटान-रोधी कार्यों को लेकर प्रशासन सतर्क, स्थल पर किया गया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर।जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जनपद के शेरपुर क्षेत्र में प्रस्तावित कटान-रोधी कार्यों को लेकर प्रशासन एवं सिंचाई विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता द्वारा शेरपुर क्षेत्र में चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता ने नदी किनारे संभावित कटान प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन करते हुए कार्य योजना की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद विभागीय कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कटान-रोधी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किए जाएं, ताकि भविष्य में क्षेत्र के ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी डॉ. हर्षिता तिवारी भी निरीक्षण स्थल पर उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि शासन के निदेर्शानुसार जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। कटान-रोधी कार्यों से न केवल किसानों की कृषि भूमि की सुरक्षा होगी, बल्कि ग्रामीण आबादी को भी संभावित नुकसान से बचाया जा सकेगा।

निरीक्षण के दौरान अन्य विभागीय कर्मचारी एवं स्थानीय कर्मचारीगण भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर आवश्यक संसाधनों, सामग्री की उपलब्धता एवं कार्य प्रारंभ करने से पूर्व की जाने वाली तैयारियों पर भी चर्चा की।

प्रशासन ने आश्वासन दिया कि कटान-रोधी कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमित निगरानी रखी जाएगी।

क्रिकेट मैदान के बाहर रन-आउट

अरविन्द मोहन

लगता है कि मुस्तफिजुर वाले फैसले से, जिसे लेकर वे काफी दुखी, हैरान और परेशान थे, क्रिकेट खेल और प्रशासन की परेशानियां बढ़ गई हैं और आने वाले दिनों में यह विवाद और उलझ सकता है। एक तो बांग्लादेश क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी टी-20 विश्वकप के भारत में होने वाले मुकाबलों में हिस्सा लेने से इंकार कर दिया। उन्होंने आयोजक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल को यह सूचना दी और उसकी बात मान ली गई।

शाहरुख खान का चरित्र अब किसी के प्रमाणपत्र की मांग नहीं करता और जिस तरह से उन्होंने अपनी कोलकाता नाइटराइडर टीम के लिए खरीदे गए बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल मुकाबला शुरू होने से पहले ही रिलीज कर दिया है। उससे प्रमाणपत्र मांगने वाले मुट्ठीभर लोगों का मुंह बंद हो चुका है इनमें चुनाव हारकर खाली बैठे संगीत सोम, एक धर्म गुरु, एक मौलाना, कांग्रेस में जाने समेत कई चक्कर लगाने के बाद शिवसेना में लौटे एक नेता शामिल हैं। संगीत सोम ने तो यह फैसला करने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने मुस्तफिजुर के हवाई अड्डे से बाहर न निकालने देने की घोषणा की थी। अब उन्होंने यह घोषणा किस बल से की या किसके इशारे से, यह बताने की जरूरत नहीं है। लेकिन जिस तरह क्रिकेट बोर्ड और शाहरुख खान का फैसला हुआ उससे साफ है कि उनको देश की सर्वोच्च सत्ता से जरूरी निर्देश और संदेश मिले थे। यह फैसला अटपटा है और इसका रिश्ता पिछले दिनों सम्पन्न चैंपियंस ट्राफी और एशियाई टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान के साथ खेलने लेकिन पाकिस्तानी अध्यक्ष से ट्राफी लेने या पाकिस्तानी कप्तान से हाथ न मिलाने के फैसले से जुड़ता दिखता है। जाहिर तौर पर वह सब भी क्रिकेट के हमारे कर्ताधर्ता लोगों के निर्देश पर ही किया गया था। यह अलग बात है कि मीडिया का एक वर्ग और भाजपा के कई लोग उसके लिए भी वाह वाह कर रहे थे।

लगता है कि मुस्तफिजुर वाले फैसले से, जिसे लेकर वे काफी दुखी, हैरान और परेशान थे, क्रिकेट खेल और प्रशासन की परेशानियां बढ़ गई हैं और आने वाले दिनों में यह विवाद और उलझ सकता है। एक तो बांग्लादेश क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी टी-20 विश्वकप के भारत में होने वाले मुकाबलों में हिस्सा लेने से इंकार कर दिया। उन्होंने आयोजक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल को यह सूचना दी और उसकी बात मान ली गई। तर्क वही खिलाड़ियों की सुरक्षा का है। मुस्तफिजूर को बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के मद्देनजर रोकने की मांग थी तो अब बात खिलाड़ियों की सुरक्षा पर आ गई। याद करें तीन दशक पहले की जब एशियाई क्रिकेट शीर्ष पर था और भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश मिल कर प्रतियोगिताएं आयोजित करते थे। यह विश्व कप या पिछला एशिया कप भी इसी तरह साझा तौर पर आयोजित हो रहा है। पिछली बार तो भारत- पाक मुकाबले दुबई में करा लिए गए और व्यावसायिक रूप से खास नुकसान न हुआ। खिलाड़ियों को भी ज्यादा भाग-दौड़ नहीं करनी पड़ी थी।

लेकिन इस बार प्रारम्भिक दौर में ही बांग्लादेश को भारत में चार मुकाबले खेलने हैं, तीन कोलकाता में और एक मुंबई में। पाकिस्तान और भारत को एक दूसरे के यहां नहीं ही खेलना है। साफ है कि सारा वजन श्रीलंका पर आएगा। और अगर बांग्लादेश अंतिम आठ वाले लीग में और फिर सेमीफाइनल तथा फाइनल तक पहुंच गया तो आयोजकों को मैदान तय करने और खिलाड़ियों को वक्त से पहुंचाने तथा आराम का इंतजाम करने में पसीने छूट जाएंगे। इन सबके बीच खेल का क्या होगा यह तो सोचना भी मुश्किल है। और कई लोग तो 2031 तक एशिया के देशों द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मुकाबलों के भविष्य को लेकर भी परेशान हैं जिन्हें भारत, नेपाल और बांग्लादेश को आयोजित करना है। अगर इसमें भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश अगर एक दूसरे के यहां न जाने के फैसले पर अड़े रहे तो क्या स्थिति होगी, यह सोच पाना भी कठिन है। 2031 में भारत और बांग्लादेश को एक दिवसीय क्रिकेट के विश्व कप का साझा आयोजन करना है।

ये चीजें जब तक आयोजकों और भारतीय क्रिकेट के प्रमुख लोगों के दिमाग में साफ हों तथा उसका नफा-नुकसान समझ आये तब तक बांग्लादेश सरकार ने एक और फैसला लेकर सबकी और क्रिकेट की हालत और मुश्किल कर दी। उसने मुस्तफिजुर वाले फैसले की प्रतिक्रिया में आईपीएल के टीवी प्रसारण पर रोक की घोषणा कर दी। आज दुनिया के क्रिकेट प्रेमी दर्शकों में भारत नंबर एक है और उनसे अप्रत्यक्ष कमाई ही वह कारण है जिसमें हम क्रिकेटरों को (और उनको ही क्यों दूसरे खेलों को भी मदद करते हैं) ऐसा भुगतान करने लगे हैं कि दुनिया भर के खिलाड़ी आईपीएल में खेलने को लालायित रहते हैं। इस धन से हमारा बोर्ड ताकतवर बना है और आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल में उसका दबदबा है। लेकिन दर्शकों की संख्या के हिसाब से बांग्लादेश दूसरे नंबर पर है और जब भी कोई टीवी कंपनी प्रसारण के अधिकार खरीदती है तो उसको वहां से होने वाले राजस्व का हिसाब भी याद रहता है। अब बांग्लादेश के इस फैसले का आईपीएल और उसके ब्राडकास्टरों पर क्या असर पड़ेगा यह हिसाब अभी सामने नहीं आया है। लेकिन यह राशि बहुत बड़ी होगी और इसका आईपीएल के भविष्य पर असर होगा और मामला सिर्फ पैसे तक नहीं रहेगा-यह खेल और खिलाड़ियों तक भी जाएगा। लीग के माध्यम से हर खेल लोकप्रिय हुआ है, अमीर हुआ है, खिलाड़ियों को ज्यादा संबल मिला है। वहां मिल्कियत और खिलाड़ी का परिचय भूला नहीं जाता लेकिन खेल वाला परिचय और क्षमता को ही सर्वोच्च महत्व दिया जाता है।

गिराई गांव में हाते के भीतर मिले नवजात शिशु के शव की जांच करती पुलिस।

नवजात शिशु का शव मिलने से गांव में मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

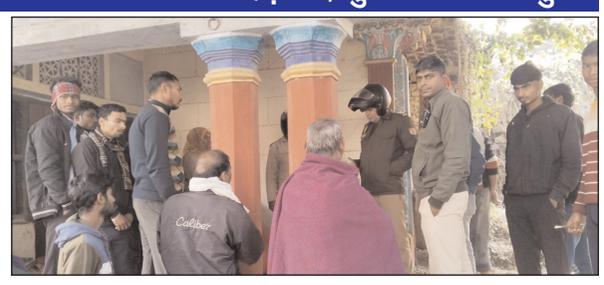

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली गोपीगंज क्षेत्र के ज्ञानपुर ब्लॉक अंतर्गत गिराई गांव के पाल बस्ती में रविवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक हाते के भीतर लगभग सात माह के नवजात शिशु का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिराई गांव निवासी राजन मिश्रा के हाते में रविवार सुबह कुछ महिलाएं भूसा निकालने के लिए पहुंची थीं। इसी दौरान उनकी नजर भूसे के पास पड़े नवजात शिशु के शव पर पड़ी, जिसे कुछ बिल्लियां नोच रही थीं। यह दृश्य देखकर महिलाएं घबरा गईं और शोर मचाना शुरू कर दिया।

देखते ही देखते गांव के पुरुष व महिलाएं भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों द्वारा मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही तत्काल गोपीगंज चौकी इंचार्ज कुलदीप मिश्रा दीवान मिथिलेश सिंह सहित पीआरबी मौके पर पहुंची और नवजात शिशु के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

डरें नहीं, सहें नहीं—चुप्पी तोड़ें, आवाज उठाएं का दिया गया संदेश

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज (भदोही)। कम्युनिटी पुलिसिंग और नारी सशक्तिकरण, सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत जनपद भदोही में महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में साइबर जागरूकता, पुलिस की कार्यप्रणाली तथा महिलाओं से जुड़े कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में ह्नडरें नहीं, सहें नहीं—चुप्पी तोड़ें, आवाज उठाएंह्व के संदेश को अपनाएं और उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं का निडर होकर उपयोग करें। महिला संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं जैसे हेल्प डेस्क, महिला साइबर सेल, महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, पिंक बूथ, महिला पुलिस बीट, मिशन शक्ति केंद्र तथा महिला पीआरवी वाहन की जानकारी दी गई। इसी क्रम में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांवों, कस्बों, स्कूलों, कॉलेजों एवं धार्मिक स्थलों पर भ्रमण कर चौपालों का आयोजन किया गया।

मतदाता सूची वाचन कार्यक्रम संपन्न, बूथ संख्या 150 से 157 तक हुआ सार्वजनिक वाचन

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। जनपद के मुहम्मदाबाद क्षेत्र में माननीय भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में शनिवार, 11 जनवरी 2026 को मुहम्मदाबाद यूसुफपुर तहसील क्षेत्र में मतदाता सूची वाचन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) द्वारा मतदाता सूची का सार्वजनिक रूप से वाचन (पढ़कर सुनाया जाना) किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों को अपने नाम, आयु, पता एवं अन्य विवरणों की सही जानकारी उपलब्ध कराना रहा। इसके अंतर्गत बूथ संख्या 150 से 157 तक स्थित मतदान केंद्रों पर क्रमवार मतदाता सूची का वाचन किया गया। उपस्थित नागरिकों ने ध्यानपूर्वक सूची को सुना और अपने विवरणों का मिलान किया। वाचन के दौरान मतदाता सूची में नाम छूटने, त्रुटि होने अथवा संशोधन से संबंधित जानकारी देने की सुविधा भी नागरिकों को प्रदान की गई, ताकि समय रहते

आवश्यक सुधार किया जा सके। कार्यक्रम में लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष, सभासदगण, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कार्यक्रम की निगरानी करते हुए बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा आमजन से अधिक से अधिक सहभागिता करने की अपील की।

अधिकारियों ने बताया कि मतदाता सूची वाचन कार्यक्रम लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो और कोई भी योग्य मतदाता अपने मतदान अधिकार से वंचित न रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में लोकतांत्रिक जागरूकता का सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

डीएम ने किया बूथों का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को विशेष अभियान के तहत जिले के सभी बूथों में मतदाता सूचियों का वाचन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कई बूथों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने चित्रकूट विधानसभा 236 में राजकीय बालिका इण्टर कॉलिज कर्वी में स्थित बूथ में भाग संख्या 443, 444, 445, 446, 447 एवं 448 का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने चित्रकूट इण्टर कॉलिज में स्थित भाग संख्या 418, 419, 421, एवं 422 का निरीक्षण किया। इस दौरान बीएलओ द्वारा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची का वाचन किया गया। जिलाधिकारी ने मतदाताओं द्वारा भरे जा रहे फार्म 6 एव फार्म 8 की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय सभी संबंधित मतदान केन्द्रों पर बीएलओ उपस्थित रहे। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जनपद के सभी बूथों पर बीएलओ द्वारा उपस्थित रहकर निर्वाचक नामावली को पढकर मतदाताओं को सुनाया गया।

चित्रकूट में पहली बार आयोजित होगा चित्रकूट युवा रत्न सम्मान समारोह : सुनील कुमार सिंह

चित्रकूट। युवा शक्ति को प्रोत्साहित करने और समाज में उनके योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस वर्ष चित्रकूट में पहली बार चित्रकूट युवा रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह 12 जनवरी राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर शान्ती देवी इण्टर कॉलेज पहाड़ी के प्रांगण में संपन्न होगा। विद्यालय के प्रबंधक एवं समाजसेवी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में चित्रकूट के विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, खेलकूद, कला एवं योगा, सामाजिक सेवा, उद्यमिता तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले युवाओं को ह्लचित्रकूट युवा रत्न सम्मानह्वह्य से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य चित्रकूट के होनहार युवाओं को एक मंच पर लाना और उनके कार्यों से अन्य युवाओं को प्रेरित करना है ताकि सभी अपने प्रयासों से देश और प्रदेश में चित्रकूट को नई पहचान दिला सकें। यह समारोह युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार करेगा तथा उनके उज्जवल भविष्य की दिशा में प्रेरक कदम साबित होगा।

बुन्देलखण्ड में ओवैसी की पार्टी ने शुरू की पैर जमाने की कवायद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुस्लिमीन ने रविवार को राजापुर तहसील के सरधुवा क्षेत्र में कैडर कैंप का आयोजन किया। जिसमें दर्जनों लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई।

सरधुवा में आयोजित कार्यक्रम में ए.आई.एम.आई.एम. के बुंदलेखण्ड प्रभारी सादिक अली ने कहा कि उनकी पार्टी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है और बुंदेलखण्ड के प्रत्येक नागरिक के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इस दौरान उन्होंने 120 लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। जिलाध्यक्ष इरफान खान ने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत किया जाएगा। नवाब खान की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में पार्टी की नीतियों को लेकर जनता के बीच जाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष नूरूल हसन, नगर अध्यक्ष आमिर खान, सोशल मीडिया प्रभारी जावेद हैदरी, मोतीलाल वर्मा, मुन्नीलाल वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, अमरवीर वर्मा, सत्यवीर सिंह, महेश त्रिपाठी, रहीश खान, नाम खान, चाँद मंसूरी, हसनैन मंसूरी, लालू मंसूरी, सफाअत खान, इसराइल, मौलाना रज्जाक अली आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को मनरेगा से मिटाना चाहती है भाजपा : कुशल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला कांग्रेस समिति के पदाधिकारियों ने रविवार को मनरेगा बचाओ महासंग्राम की शुरूआत पटेल तिराहे में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के सामने बैठकर सांकेतिक उपवास रख कर किया।

जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल एडवोकेट ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार मनरेगा से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को मिटाना चाहती है, जिसका सभी कौंग्रेसी सड़कों में उतरकर विरोध करेंगे। इस विरोध की शुरूआत मनरेगा बचाओ अभियान से की जा रही है, जिसके तहत पार्टी पदाधिकारी जनपद में ब्लॉक व ग्रामीण स्तर पर मजदूरों के बीच पहुंचकर उन्हें जागरूक करेंगे और इस लड़ाई को लड़ेंगे। समन्वयक वीरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा मनरेगा का नाम बदलकर मजदूरों का हक मार रही है, जिसका कौंग्रेस पार्टी मजबूती के साथ विरोध करेगी। पूर्व प्रत्याशी रंजना बराती लाल पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा सरकार को किसान विरोधी तीन कानून वापस लेने पड़े थे, वैसे से मनरेगा का नाम बदलने का निर्णय भी वापस लेना पडेगा। वरिष्ठ नेता गज्जू प्रसाद फौजी ने कहा कि मनरेगा योजना गरीब मजदूर के हित के लिए थी। जिसमें केन्द्र सरकार ने अपना हिस्सा 90 प्रतिशत से घटनाकर 60 प्रतिशत कर रही है तथा राज्य सरकार के हिस्से को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर रही है। प्रवक्ता चुनवाद प्रसाद प्रजापति ने कहा कि कौंग्रेस पार्टी इस बिल को वापस लेने के लिए गांव-गांव में बैठक के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगी और एक जन आंदोलन बनाएगी।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अवधेश करवरिया, शिव गुलाम वर्मा, जिला महासचिव विजयमणि त्रिपाठी, कामता द्विवेदी, कालीचरण राजपूत, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रावेंद्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष चित्रकूट जग जाहिर पटेल, पहाड़ी रामकृपाल वर्मा, मऊ अरविंद पांडेय, जिला सचिव हरिहर सहाय विश्वकर्मा, यमुना शुक्ला, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल, राकेश वर्मा, रामनरेश सिंह, बुद्ध विलास पटेल, मनधीर सिंह वर्मा, दिलीप यादव, इंद्रजीत उपाध्याय, विनीत उपाध्याय, राम गणेश राजपूत, क्षेत्र पंचायत सदस्य संतोष यादव, चुनवाद यादव, श्याम कली, जगन्नाथ कोल, मुन्नी देवी, हरिश्चंद्र, राम सवेरे, राजाबाबू, विनोद कोल, मेवालाल राजपूत, रुक्मिणी, गुड़िया, विकास, देवनारायण, नाथू सिंह, बेला देवी, राजरानी, मइयादीन, चंदा देवी, राजकुमारी, बाबूलाल, छोटेलाल, देशराज, पुरुषोत्तम, आदि मौजूद रहे।

अपर पुलिस महानिदेशक ने किया धर्मनगरी का दौरा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रयागराज में अपर पुलिस महानिदेशक ज्योति नारायण ने रविवार को धर्मनगरी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने माघ मेले के समय आवागमन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

पहली बार चित्रकूट दौरे पर आए प्रयागराज जोन के एडीजी ज्योति नारायण ने कहा कि माघ मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ प्रयागराज पहुंचती है और वहां से स्नान करने के बाद श्रद्धालु वापस लौटते हैं। ऐसे में प्रयागराज की सीमा से जुडे. चित्रकूट और पडोसी जनपदों में यातायात व्यवस्था का जायजा वह ले रहे हैं। भीड़ बढने की स्थिति में ट्रैफिक डायवर्जन और होल्डिंग प्वाइंट में श्रद्धालुओं की गाडियों के ठहराव की व्यवस्था का भी एडीजी ने निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यतः यातायात व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के बिंदुओं पर सभी क्षेत्राधिकारियों और यातायात प्रभारियों को निर्देश दिए। जिसमें बैरियर लगाने वाले स्थानों, कोहरे में सड़क हादसों को रोकने के लिए रोड़ के किनारे शाम के समय खडी गाडियों को हटवाने के निर्देश शामिल हैं। बरगढ़ में यूपीसीड़ा के मैदान में होल्डिंग प्वाइंट में पूर्व में हो चुके कुंभ मेंले की तर्ज पर वाहनों के ठहराव की व्यवस्था रहेगी। इस मैदान में लगभग पन्द्रह सौ गाडियों को खड़ा कराया जा सकता है। वहां सफाई-कराई जा रही है। साथ ही पेयजल और भोजन की व्यवस्था भी कराई जाएगी। प्रयागराज में भीड़ बढने पर वहां के पुलिस अधिकारियों द्वारा सूचित किया जाएगा। जिसके बाद डायवर्जन प्लान लागू किया जाएगा। उन्होने बताया कि मुख्य पर्व मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या के एक दिन पहले से ही रूट डायवर्जन कर दिया जाएगा।

भ्रमण के दौरान एडीजी ने छोटे दुकानदारों, वाहन चालकों से भी सीधे वार्ता करते हुए पुलिस व्यवस्था के संबंध में राय जानी। साथ ही आम जनमानस के सुझाव भी लिए। इस मौके पर बांदा के डीआईजी राजेश एस, एसडीएम रामऋषि रमन, अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी की पीडीए चौपाल से सामाजिक न्याय का संदेश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सदर विधानसभा क्षेत्र के कंठीपुर गांव में समाजवादी पार्टी द्वारा रविवार को पीडीए चैपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान सपा नेताओं ने 500 लोगों को कंबल वितरित किए। साथ ही बच्चों को पाठ्य-पुस्तकों और खेलकूद सामग्री की वितरण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि पीडीए समाज ही देश और प्रदेश की रीढ़ है, लेकिन मौजूदा सरकार में इस वर्ग की उपेक्षा की जा रही है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी से सबसे ज्यादा नुकसान पीडीए वर्ग को हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, बराबरी और सम्मान के साथ सबको विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। चैपाल में उपस्थित सपा के युवा नेता मंगल यादव ने राशन, आवास, पेंशन, रोजगार और स्थानीय समस्याओं को उठाया। उन्होंने कहा कि पीडीए चैपाल केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि जनता की आवाज को मजबूती से सरकार तक पहुंचाने का माध्यम है। समाजवादी पार्टी ने सभी से आह्वान किया कि वे पीडीए की एकजुटता को मजबूत करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। चैपाल के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प भी दोहराया गया।

इस मौके पर चित्रकूट विधानसभा अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, पूर्व प्रधान हरिमोहन यादव, दयाराम यादव, अरशद खान, उदित नारायण यादव, रमेश कोटार्य, गणेश, शिवलाल कोटार्य, साहबदीन, तुफैल खां, जब्बार खां, ग्राम प्रधान प्रमोद कुमार, पुरुषोत्तम वर्मा, माताबदल वर्मा, सुल्तान खां आदि मौजूद रहे।

बच्चों करो पढ़ाई : कॉपी पेंसिल पाकर चहके बच्चे

चित्रकूट। विकास खंड पहाड़ी क्षेत्र के ग्राम अरछा बरेठी में जरूरतमंद बच्चों को पठन-पाठन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान नई दुनिया, खैरी पुरवा बस्ती के बच्चों में उत्साह का माहौल रहा। जैसे ही पठन-पाठन सामग्री उनके हाथों में पहुंची, बच्चों की खुशी का ठिकाना न रहा। इस मौके पर समाजसेवी शंकर यादव ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। पढ़ोगे लिखोगे , आगे बढ़ोगे का नारा बुलंद करते हुए कहा कि समाज के सभी बच्चों को पढ़ाई से जोड़ें, ताकि वे आगे चलकर अच्छे नागरिक बन सकें। कहा कि शिक्षा से बच्चों का चंहुमुखी विकास होता है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के सेवा और सहयोग के कार्य लगातार जारी रखने की बात कही।

शिक्षा से बच्चों का होता है चंहुमुखी विकास : यादव

पकड़ी गई अवैध शराब

चित्रकूट। जनपद में अवैध शराब के निर्माण व बिक्री की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना राजापुर के उपनिरीक्षक रवीन्द्र कुमार कटियार व उनके हमराही शाकिर अली ने आरोपी लव सिंह निवासी कटइया खादर थाना मऊ को 20 पाउच देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। इस सम्बन्ध में आरोपी के विरुद्ध थाना राजापुर में धारा 60 आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

त्रिलोकासन से मजबूत बनते है जंघा, पिंडली व घुटनें : योगाचार्य

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय के कुबेर गंज कर्वी निवासी योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत ने योग कराते हुए बताया कि त्रिलोकासन संपूर्ण शरीर में अद्भुत शक्ति और ऊर्जा का संचार करता है। त्रिलोक का अर्थ है धरती, आकाश (ब्रह्म लोक) और धरती के नीचे पाताल इन तीनों लोकों का समन्विक लाभ त्रिलोकासन को करने से प्राप्त होता है।

योगाचार्य ने बताया कि संपूर्ण शरीर में 10 प्रकार के प्राण कार्य करते हैं, जिसके कारण हमारा शरीर काम कर पाता है। कमर से नीचे अपान वायु काम करती है जिससे जंघा, पिंडली, घुटने टखने सुंदर, सुडौल और मजबूत रहते हैं, इस प्राण वायु के कारण हमारा शरीर का उठना, बैठना, चलना, दौड़ना, संतुलन आदि संभव है, प्रजनन तंत्र की कार्य प्रणाली अपान वायु के मजबूत होने पर सुचारु रूप से चलती है। उदर क्षेत्र में समान वायु कार्य करती है जिससे पेट संबंधित स्वास्थ्य बेहतर रहता है। वक्षीय क्षेत्र में प्राण वायु, कंठ से ऊपर उदान वायु तथा संपूर्ण शरीर में व्यान प्राण कार्य करते हैं, इन प्राणों के सबल होने पर ही कमर से नीचे, शरीर का मध्य भाग और कंठ से ऊपर का भाग तालमेल के साथ कार्य करके जीवन को सुखमय बनाते हैं। इन प्राणों की रुग्णता के कारण हम नाना प्रकार की बीमारियों से व्यथित होते रहते हैं। योगाचार्य ने बताया कि त्रिलोक आसन से पैरों का कंपवात ठीक होता है तथा जंघाओं की अतिरिक्त चर्बी कम होती है, जिससे वे सुडौल, सुंदर, शक्तिशाली बनती है, कमर पतली हो जाती है, कमर जंघा घुटनों पिंडली टखनों पंजों के दर्द मिटते हैं और थकान में राहत मिलती है। बताया इसे करने के लिए दोनों पैरों के बीच लगभग 90 सेंटीमीटर की दूरी रखते हैं, पैर के पंजों की दिशा बाहर की ओर, दोनों हाथ कमर पर इस प्रकार रखते हैं कि अंगूठे पीठ की तरफ और उंगलियां सामने की ओर रहें। श्वास लेकर छोड़ते हुए घुटनों को मोड़ते हुए नीचे की ओर दबाते हैं, जिससे जंघा धरती के समांतर और धड़ तथा सिर सीधा रखते हैं। इस स्थिति में 10 सेकंड ठहरने के बाद सांस भरते हुए धीरे-धीरे घुटनों से सीधे होते हैं ऐसा पांच बार दोहराते हैं। शिथिल ताड़ासन में आकर शरीर में हुए सकारात्मक परिवर्तनों का अनुभव करते हैं। सावधानी के तौर पर घुटनों में दर्द की दशा में इसे धीरे-धीरे करते हैं।

क्या है ISA, क्यों बाहर हुआ अमेरिका, इससे भारत पर क्या पड़ेगा असर?

अमेरिका

इमेजिन कीजिए कि आप एक घर में रहते हैं और आपका घर टूट रहा है। लेकिन आपको लगता है कि आपका घर टूट नहीं रहा बल्कि यह आपके खिलाफ साजिश है ताकि आपको ज्यादा पैसा कमाने से रोका जा सके। यही हाल अमेरिका के राष्ट्रपति का भी है। अमेरिका के राष्ट्रपति को लगता है जलवायु परिवर्तन तो हो ही नहीं रहा है। जलवायु परिवर्तन केवल एक दिखावा है जिसकी वजह से अमेरिकी लोगों की जॉब छीनी जा रही है। कि जिसकी वजह से अमेरिकी लोगों का रोजगार जा रहा है। तो ये एक बहुत बड़ी प्रॉब्लम जो है अमेरिका के राष्ट्रपति की को की तरफ से देखने को मिलेगी और इसी वजह से इसी की तरफ आगे बढ़ते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 66 इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशंस और ट्रीटीज ऐसी हैं जिनसे अपने आप को बाहर कर लिया है। जिसमें यूएनएफ ट्रिपल सी शामिल

है जिसमें आपका इंटरनेशनल सोलर अलायंस शामिल है।

इंटरनैशनल सोलर एनर्जी क्या है

भारत और फ्रांस की साझा पहल पर अस्तित्व में अया इंटरनैशनल सोलर अलायंस (क्रअ) आन दुनिया ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाला एक अहम अंतर-सरकारी संगठन बन चुका है। करीब एक दशक पहले बतौर परिकल्पन सामने आया यह गठबंधन संधि-आधारित है और इसका मुख्य उद्देश्य सौर ऊर्जा के उपयोग को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है, ताकि स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊन सभी तक पहुंच सके। इंटरनैशनल सोलर अलायंस की पहले घोषण वर्ष 2015 में पेरिस में आयोजित जलवायु सम्मेलन COP21 के दौरान की गई थी। भरत के पीएम नरेन्द्र मोदी और उस समय प्रबंस के राष्ट्रपति फ्रांसिस ओलांद ने मिलकर इस पहल का ऐलान किया था।

क्या है क्रअ और कैसे करता है काम?

सोलर एनर्जी को लेकर एकीकृत प्लैटफॉर्म इंटरनैशनल सोलर अलायस सोलर एनर्जी के लिए एकीकृत वैश्विक प्लैटफॉर्म के रूप में काम करता है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, यह अपने एनालिटिक्स और एडवोकेसी के जरिए सौर ऊर्जा से जुड़ी अनुकूल नीतियों को बढ़ावा देता है।

ट्रंप के फैसले से क्या फर्क पड़ेगा?

2022 से 2025 के बीच अमेरिका से क्रअ को आर्थिक योगदान निला।

ट्रंप ने समुंदर में उतारे परमाणु युद्धपोत, कुछ बड़ा होगा!

वेनेजुएला

वेनेजुएला पर अटैक के बाद से जहां ट्रंप की दुनिया भर में आलोचना हो रही है और खुद उनके ही लोग उन्हें इस मुद्दे पर घेर रहे हैं तो वहीं अब रूसी तेल के जहाज पर कब्जा कराने के बाद ट्रंप ने बहुत बड़ी गलती कर दी है क्योंकि जिस तरह से तेल टैंकर पर कब्जा होने से रूस भड़का हुआ है और अमेरिका पर परमाणु बम गिराने की धमकियां दी जा रही है। यहां तक कि रूस ने अपनी सबमरीन और युद्धपोत को समंदर में उतार दिया है। उससे तो ऐसा लग रहा है कि कहीं तीसरा विश्व युद्ध ना छिड़ जाए। पहली बार रूस और अमेरिका आक्रामक तरीके से आमने-सामने हैं। एक छोटी सी चिंगारी दुनिया में एक बहुत बड़ी तबाही ला सकती है। रूस से पंगा लेने के बाद अब अमेरिका ने एक और ऐसा कदम उठाया है जिसने युद्ध का सायरन बजा दिया है। दरअसल कई देशों को निशाने पर

लेने के बाद अब चीन भी अमेरिका के टारगेट पर आ गया है। खबर है कि दक्षिण चीन सागर में अमेरिका ने कई लड़ाकू विमान और परमाणु युद्धपोत उतार दिए हैं। जिसने दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। ट्रंप के इस फैसले के बाद चीन भी एक्शन में आ गया है। दरअसल अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में अपना परमाणु ऊर्जा से चलने वाला एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन उतार दिया है। इस कैरियर से ऋ35 सी स्टेल्थ फाइटर जेट की उड़ाने भी भरी गई हैं। जिसकी अमेरिकी नौसेना ने तस्वीरें भी जारी की है।

यूएसएस अब्राहम लिंकन को दक्षिण चीन सागर में फ्लाइट ऑपरेशंस करते हुए देखा जा सकता है। अमेरिकी नौसेना का कहना है कि इस तैनाती का मकसद क्षेत्र में किसी भी तरह की आक्रामक गतिविधि को रोकना, सहयोगी देशों के साथ सैन्य तालमेल मजबूत करना और शांति बनाए रखना है।

खुफिया रिपोर्ट में खुलासा- रोज हो रहे 26 लाख हमले

ताइवान

ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो (एनएसबी) के एक नए खुफिया आकलन के अनुसार, चीन ने ताइवान के खिलाफ अपने साइबर हमलों को तेजी से बढ़ा दिया है और 2025 में औसतन प्रतिदिन 2.63 मिलियन हमले किए हैं। द एपोच टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि चीन आवश्यक नागरिक और सरकारी नेटवर्क में घुसपैठ करने और उन्हें बाधित करने के प्रयासों को तेज कर रहा है।

द एपोच टाइम्स के अनुसार, एनएसबी के अध्ययन, जिसका शीर्षक "2025 में ताइवान के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए चीन के साइबर खतरों का विश्लेषण" है, से पता चलता है कि साइबर हमलों की संख्या 2023 की तुलना में 113 प्रतिशत बढ़ गई है, जब ताइपे ने पहली बार इस तरह के आंकड़े सार्वजनिक करना शुरू किया था। ये हमले तेजी से सार्वजनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रणालियों को निशाना बना रहे हैं, जिनमें बिजली आपूर्ति, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, दूरसंचार और सरकारी कामकाज शामिल हैं। इन घुसपैठों का दायरा और सटीकता यह संकेत देती है कि चीन भविष्य में किसी भी टकराव की स्थिति में ताइवान की आंतरिक प्रणालियों को पंगु बनाने की तैयारी कर रहा है।

ताइवान के अधिकारियों ने इस गतिविधि को चीन समर्थित पांच हैकिंग इकाइयों - ब्लैकटेक, फ्लैक्स टाइफून, मस्टैंग पांडा, एपीटी41 और यूएनसी3886 - से जोड़ा है। इन समूहों ने ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, संचार और प्रमुख उच्च-तकनीकी उद्योगों से संबंधित क्षेत्रों में बार-बार घुसपैठ की है। राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो (एनएसबी) की रिपोर्ट है कि चीनी हैकरों ने दूरसंचार नेटवर्क को ठप्प करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर वितरित सेवा से इनकार (डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल-ऑफ-सर्विस) हमले किए, साथ ही गुप्त अभियानों के माध्यम से बुनियादी ढांचे के मध्यस्थों में घुसपैठ करके जानकारी चुराई और अपनी पकड़ मजबूत की।

दुनिया की अग्रणी उन्नत सेमीकंडक्टर उत्पादक कंपनी टीएसएमसी से जुड़े औद्योगिक क्षेत्र भी लगातार दबाव में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी हैकरों ने चिप से संबंधित संवेदनशील डेटा निकालने के लिए कई स्तरों वाली विधियों का इस्तेमाल किया है। साइबर गतिविधियों में अचानक हुई वृद्धि अक्सर चीनी सैन्य अभ्यासों, ताइवान में होने वाले प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों या ताइवान के वरिष्ठ अधिकारियों की विदेश यात्राओं के साथ मेल खाती थी, जो आकस्मिक वृद्धि के बजाय समन्वित योजना का संकेत देती है, जैसा कि द एपोच टाइम्स ने बताया है।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा अनुसंधान संस्थान के शोधकर्ता शेन मिंग-शिह ने कहा कि चीन की आक्रामक शक्ति अब व्यक्तिगत हैकरों के बजाय एआई-संचालित स्वचालन पर बहुत अधिक निर्भर करती है। इससे बीजिंग को बड़े पैमाने पर निरंतर, अनुकूलनीय हमले करने की सुविधा मिलती है।

शेन ने चेतावनी दी कि साइबर युद्ध किसी भी संघर्ष का प्रारंभिक चरण हो सकता है। उन्होंने कहा कि बिजली ग्रिड, संचार और सरकारी समन्वय नेटवर्क को पंगु बनाकर, चीन किसी भी भौतिक हमले से पहले ताइवान की रक्षा को कमजोर कर सकता है, जैसा कि द एपोच टाइम्स ने रिपोर्ट किया है।

ईरान की धमकी से वाशिंगटन में हलचल, ट्रंप के खिलाफ खामनेई का बड़ा ऐलान

ईरान

सुप्रीम लीडर आया अली खामनेई का बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिका की धमकियों का जवाब देते हुए खामनेई ने कहा है कि ईरान किसी भी हाल में अमेरिका के सामने नहीं झुकेगा। धमकियों पर पलटवार करते हुए खमेनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला और कहा कि ट्रंप के हाथ हजारों ईरानियों के खून से सने हुए हैं। खामनेई ने ट्रंप को अहंकार और घमंड से भरा शासक भी बताया और कहा कि ऐसे अहंकारी शासकों को उखाड़ फेंका जाएगा। खामनेई के हुंकार अमेरिका को ललकार अमेरिका के सामने नहीं झुकेगा ईरान ईरानियों के खून से सने है ट्रंप के हाथ जनता विदेश ताकत के बहकावे में ना आए पूरी दुनिया पर ट्रंप की दादागिरी नहीं चलेगी अहंकार में डूबे हुए हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने ईरान में हो रहे व्यापक विरोध प्रदर्शनों के पीछे अमेरिकी प्रशासन का हाथ होने का आरोप लगाया है।

एक सार्वजनिक सभा में बोलते हुए खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए ये सब कर रहे हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, खामेनेई ने कहा कि इन दंगाइयों और जनता के लिए हानिकारक तत्वों की सारी उम्मीदें अमेरिकी राष्ट्रपति पर टिकी हैं। उनके अपने देश में भी कई तरह की घटनाएं घट रही हैं।

FARA के तहत यह दशकों पुरानी प्रक्रिया है

अमेरिका

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि हितधारकों के साथ संपर्क मजबूत करने के लिए देशों, दूतावासों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और निजी संगठनों के लिए लॉबिंग फर्मों को नियुक्त करना एक "मानक प्रक्रिया" है। यह बात अमेरिका में विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम के तहत हाल ही में दाखिल किए गए दस्तावेजों के संबंध में पूछे गए सवालों के जवाब में कही गई, जिनमें भारतीय पक्ष द्वारा ऐसी फर्मों के माध्यम से अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ संपर्क स्थापित करने का उल्लेख किया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बोलते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह एक लंबे समय से चली आ रही प्रथा

है, और बताया कि भारत 1950 के दशक से ही ऐसी लॉबिंग फर्मों को काम पर रख रहा है। वाशिंगटन डीसी और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह एक सामान्य प्रथा है कि देश, दूतावास, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और निजी संगठन लॉबिस्ट और सलाहकार नियुक्त करते हैं। हम, भारतीय दूतावास, 1950 के दशक से ही ऐसी लॉबिंग फर्मों को नियुक्त करते आ रहे हैं। इन सभी फर्मों का विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इनके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करें और संबंधित वेबसाइट पर इन्हें देखें। उन्होंने आगे कहा कि दूतावासों, व्यावसायिक संगठनों और निजी संगठनों के लिए अपनी पहुंच को मजबूत करने के लिए लॉबिंग फर्मों का उपयोग करना एक मानक प्रक्रिया है, और हमारे मामले में भी यही स्थिति है। LLC ने FARA के तहत रिकॉर्ड में बताया कि उसने भारतीय एंबेसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच कूटनीतिक संपर्क की सुविधा प्रदान की। अप्रैल से दिसंबर 2025 तक फर्म ने कई ईमेल, फोन कॉल और मुलाकातें आयोजित कीं।

आईएमएफ के सामने मानी एसआईएफसी में पारदर्शिता की भारी

पाकिस्तान

पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने स्वीकार किया है कि विशेष निवेश सुविधा परिषद (एसआईएफसी) में संस्थागत पारदर्शिता का अभाव है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चेतावनी दी है कि यह खामी निवेशकों के विश्वास को और नुकसान पहुंचा सकती है और नीतिगत स्थिरता को कमजोर कर सकती है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह स्वीकारोक्ति सरकार के 240 पृष्ठों वाले प्रधानमंत्री के आर्थिक शासन सुधार एजेंडा में सामने आई है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, मंत्रालय ने 7 अरब अमेरिकी डॉलर के ऋण कार्यक्रम के तहत आईएमएफ के शासन और भ्रष्टाचार निदान मूल्यांकन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह रिपोर्ट तैयार की है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी से विश्व भी कांप रहा है, अब ताकत ही कानून है

डेनमार्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने की बार बार दोहरायी जा रही धमकियों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक गंभीर और खतरनाक मोड पैदा कर दिया है। यह एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है जिसमें अमेरिका खुलकर यह संकेत दे रहा है कि यदि उसके राष्ट्रीय हितों के रास्ते में कोई संप्रभु देश या क्षेत्र आता है, तो उसे कुचलने में वह हिचकेगा नहीं। हम आपको बता दें कि डेनमार्क के अधीन स्वशासित क्षेत्र ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प प्रशासन का रुख असाधारण रूप से आक्रामक है। अमेरिकी नेतृत्व यह तर्क दे रहा है कि आर्कटिक क्षेत्र में ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति अमेरिका की सुरक्षा, सैन्य प्रभुत्व और वैश्विक रणनीति के लिए अनिवार्य है। इसी तर्क के आधार पर अमेरिका ने न केवल ग्रीनलैंड को खरीदने की बात दोहरायी, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि सैन्य विकल्प को खारिज नहीं किया जा सकता।

इस बयानबाजी के बाद डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। डेनमार्क सरकार ने इसे सीधी संप्रभुता पर हमला बताया और चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने बल प्रयोग किया तो यह केवल दो देशों के बीच विवाद नहीं रहेगा, बल्कि नाटो के अस्तित्व और यूरोपीय सुरक्षा ढांचे पर सीधा प्रहार होगा। बताया जा रहा है कि डेनमार्क के रक्षा तंत्र को सतर्क कर दिया गया है और संदेश साफ है कि अब किसी भी धमकी को हल्के में नहीं लिया जायेगा।

ग्रीनलैंड के नेतृत्व ने भी दो टूक शब्दों में

कहा है कि ग्रीनलैंड कोई संपत्ति नहीं है जिसे खरीदा या छीना जा सके। वहां की सरकार ने स्पष्ट किया कि भविष्य का निर्णय केवल ग्रीनलैंड के लोगों का अधिकार है और किसी भी बाहरी शक्ति की दबाव नीति अस्वीकार्य है। इसके बावजूद अमेरिका ने ग्रीनलैंड के नागरिकों को आर्थिक प्रलोभन देने जैसे प्रस्तावों पर भी विचार किया है, जिसे डेनमार्क ने राजनीतिक रिश्वत और हस्तक्षेप की संज्ञा दी है।

यूरोप के कई देशों ने इस मुद्दे पर डेनमार्क के समर्थन में खुलकर बयान दिये हैं। यह साफ किया गया है कि सीमाओं और क्षेत्रों को बलपूर्वक बदलने की नीति को स्वीकार नहीं किया जा सकता। नाटो के भीतर भी बेचैनी है, क्योंकि यदि अमेरिका अपने ही सहयोगी देश के क्षेत्र पर नजर डाल सकता है, तो गठबंधन की नैतिक और रणनीतिक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में अमेरिका का हालिया आचरण और भी चिंताजनक प्रतीत होता है। वेनेजुएला में सैन्य हस्तक्षेप और वहां के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी, मेक्सिको और कोलम्बिया को दी गयी कठोर चेतावनियां, क्यूबा के खिलाफ तीखी भाषा और पूरे लैटिन अमेरिका को प्रभाव क्षेत्र मानने की सोच यह दिखाती है कि अमेरिका अब खुले तौर पर अंतरराष्ट्रीय नियमों की सीमाओं से बाहर निकल चुका है।

ग्रीनलैंड प्रकरण इस व्यापक रणनीति का विस्तार है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार निशाना कोई कमजोर लैटिन अमेरिकी देश नहीं, बल्कि एक यूरोपीय देश का स्वशासित क्षेत्र है। यही कारण है कि यह संकट केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक महत्व का बन गया है।

देखा जाये तो ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का आक्रामक रवैया एक खतरनाक संकेत है कि विश्व व्यवस्था एक बार फिर उस दौर की ओर लौट रही है जहां ताकत ही सत्य और कानून हुआ करती थी। यह मामला केवल एक द्वीप या एक सामरिक ठिकाने का नहीं है, बल्कि यह उस बुनियादी सिद्धांत पर हमला है जिस पर आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था खड़ी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी क्षेत्र को हड़पने का तर्क अपने आप में बेहद कमजोर और कपटपूर्ण है। यदि हर महाशक्ति यह तय करने लगे कि उसकी सुरक्षा किसी दूसरे देश के क्षेत्र पर निर्भर है, तो दुनिया का कोई भी कोना सुरक्षित नहीं रहेगा। यही तर्क कल चीन ताइवान के लिए देगा, परसों रूस किसी और क्षेत्र के लिए और फिर अंतरराष्ट्रीय कानून केवल किताबों में सिमट कर रह जायेगा।

ग्रीनलैंड के लोग पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे किसी भी प्रकार की जबरन व्यवस्था का हिस्सा नहीं बनना चाहते। आत्मनिर्णय का अधिकार संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का मूल तत्व है, लेकिन अमेरिका की धमकियों ने यह दिखा दिया है कि जब बात शक्ति की आती है, तो सिद्धांतों को कुचलने में देर नहीं लगती।

इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक प्रभाव अत्यंत गहरा है। अमेरिका की आक्रामकता यूरोप को अपनी स्वतंत्र सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर सकती है। नाटो जैसे गठबंधन की नींव आपसी विश्वास पर टिकी होती है और जब वही विश्वास दरकने लगे तो सामूहिक सुरक्षा का ढांचा कमजोर पड़ जाता है।

इसके अलावा आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका की यह हठधर्मिता चीन और रूस जैसे देशों के लिए अवसर बन सकती है। वे पहले ही इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहे हैं। अमेरिका का एकतरफा रवैया उन्हें यह प्रचार करने का मौका देगा कि पश्चिमी विश्व स्वयं नियमों का पालन नहीं करता। इस तरह अमेरिका अपने ही दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की भूमिका भी इस संकट में कटघरे में है। यदि एक महाशक्ति खुलेआम किसी क्षेत्र को हथियाने की धमकी दे और वैश्विक संस्था केवल चिंता जताने तक सीमित रह जाये, तो उसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सुरक्षा परिषद की संरचना और विशेषाधिकारों ने पहले ही उसे शक्तिहीन बना दिया है और ग्रीनलैंड संकट इस कमजोरी को और उजागर करता है।

देखा जाये तो यह केवल डेनमार्क या ग्रीनलैंड की लड़ाई नहीं है। यह उस दुनिया का भविष्य तय करने वाला क्षण है जिसमें या तो कानून और संप्रभुता का सम्मान होगा, या फिर ताकतवर जो चाहेगा वही करेगा। यदि आज इस आक्रामकता का सामूहिक विरोध नहीं हुआ, तो कल कोई भी देश किसी भी बहाने से किसी दूसरे देश की जमीन पर दावा ठोक सकता है।

बहरहाल, अमेरिका की यह नीति न तो स्थिरता लाएगी और न ही शांति। यह भय, अविश्वास और टकराव को जन्म देगी। दुनिया को यह तय करना होगा कि वह नियमों पर आधारित व्यवस्था चाहती है या फिर जंगल का कानून। ग्रीनलैंड आज केंद्र में है, लेकिन दांव पर पूरी वैश्विक व्यवस्था लगी हुई है।